Teacher's Manual

PARAKH BOOKS
Big Ideas Simply Explained

हमारा समाज

सामाजिक विज्ञान की पाठ्य पुस्तक

- उमा शर्मा
- शिल्पा अग्रवाल

Book-1	 2
Book-2	 9
Book-3	19
Book-4	32
Book-5	48

हमारा समाज-1

इकाई-1 : हमारी मौलिक आवश्यकताएँ

1 अध्याय — भोजन

क. **1.** (c) **2.** (a) **3.** (d) **4.** (b)

ख. **1.** मूलभूत **2.** दोपहर **3.** अण्डा **4.** मांसाहारी

ग. **1.** (✓) **2.** (✗) **3.** (✗) **4.** (✓)

घ. **1.** 1. दूध, 2. अण्डे, 3. सब्जियाँ।

2. स्वस्थ रहने के लिए हमें हमेशा ताजा तथा सन्तुलित भोजन करना चाहिए।

3. हमें दूध गाय, बकरी और भैंस से प्राप्त होता है।

4. दाल, रोटी, सब्जियाँ आदि हम दोपहर और रात के खाने में लेते हैं।

क्रियात्मक कार्य– स्वयं करें।

2 अध्याय — हमारे वस्त्र

क. **1.** (d) **2.** (b) **3.** (a) **4.** (a) **5.** (a)

ख. **1.** वस्त्र **2.** ऊनी **3.** सूती **4.** गमबूट

ग. **1.** (✓) **2.** (✗) **3.** (✓) **4.** (✗)

घ. **1.** हम सभी अपना शरीर ढकने के लिए तथा सर्दी व गर्मी से बचने के लिए वस्त्र पहनते हैं।

2. शीत ऋतु में हम गहरे रंग के रोएँदार ऊनी वस्त्र पहनते हैं।

3. कुछ लोग अपने कार्यस्थल पर विशेष प्रकार के वस्त्र पहनते हैं, इन्हें वर्दी कहते हैं। जैसे– सिपाही, डाकिया, चौकीदार, डॉक्टर, नर्स आदि।

4. हमें हमेशा साफ-सुथरे तथा धुले हुए वस्त्र ही पहनने चाहिएँ। गन्दे वस्त्र पहनने से बीमारियाँ हो जाने का भय रहता है।

क्रियात्मक कार्य– स्वयं करें।

3 अध्याय — हमारा घर

क. **1.** (a) **2.** (d) **3.** (c)

ख. **1.** आवास **2.** सोते **3.** पक्के **4.** हाउस बोट

ग. **1.** (iv) **2.** (iii) **3.** (ii) **4.** (i)

घ. 1. हम सबको रहने के लिए एक घर की आवश्यकता होती है।

2. घर हमें गर्मी, सर्दी, वर्षा, आँधी-तूफ़ान, चोर-डाकुओं तथा हिंसक वन्य-जन्तुओं से सुरक्षित रखता है।

3. एक ऐसा घर जिसमें सभी आवश्यक सुविधाएँ विद्यमान हों, आदर्श घर कहलाता है।

4. पक्के घर सीमेंट, लोहा, रेत तथा ईंटों से बनाए जाते हैं। ऐसे घर मजबूत तथा सुन्दर होते हैं। शहरों में प्रायः पक्के घर ही बनाए जाते हैं।

क्रियात्मक कार्य– स्वयं करें।

सुरक्षा के नियम

क. 1. (a) **2.** (a) **3.** (a)

ख. 1. जेब्रा क्रॉसिंग **2.** पंक्ति **3.** इस्तरी **4.** अनजान **5.** चलिए

ग. 1. (✓) **2.** (✗) **3.** (✗) **4.** (✗)

घ. 1. हमें सुरक्षा-नियमों का प्रत्येक स्थान पर तथा प्रत्येक क्षण पालन करना चाहिए क्योंकि सुरक्षा-नियमों की लापरवाही अथवा अनदेखी कहीं पर भी तथा किसी भी समय किसी छोटी-बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है।

2. घर में सुरक्षा के निम्नलिखित नियम अपनाने चाहिएँ–

- गर्म इस्तरी या बर्तन को कभी स्पर्श न करें।
- अनजान लोगों के लिए घर का दरवाज़ा मत खोलिए।
- माचिस की तीलियों अथवा आग से मत खेलिए।

3. बस में यात्रा करते समय निम्नलिखित सावधानियाँ रखनी चाहिएँ–

- चलती बस से मत उतरिए।
- बस में पंक्ति बनाकर चढ़िए।
- पायदान पर खड़े होकर यात्रा मत कीजिए।

4. सड़क पार करने से पहले हमें दाएँ व बाएँ अच्छे से देखना चाहिए।

क्रियात्मक कार्य– स्वयं करें।

परिवार

क. 1. (a) **2.** (b) **3.** (d)

ख. 1. सदस्य **2.** मिलकर **3.** सुखी **4.** तीन

ग. 1. (✗) **2.** (✓) **3.** (✗) **4.** (✓)

घ. 1. छोटा परिवार सुखी परिवार होता है।

2. ऐसा परिवार जिसमें माता-पिता, दादा-दादी, चाचा-चाची और चचेरे भाई-बहन एक साथ रहते हैं, संयुक्त परिवार कहलाता है।
3. परिवार मुख्यतः तीन प्रकार के होते हैं–
   1. छोटा परिवार, 2. बड़ा परिवार, 3. संयुक्त परिवार।
4. स्वयं करें।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

6 अध्याय परिवार में माता-पिता के कर्त्तव्य

क. **1.** (b) **2.** (a) **3.** (d)

ख. **1.** सहायता **2.** भोजन **3.** कार्य **4.** महत्वपूर्ण

ग. **1.** (✓) **2.** (✗) **3.** (✗) **4.** (✗)

घ. **1.** माँ अधिकांशतः घर में कार्य करती हैं। वे हमारे लिए भोजन बनाती हैं, कपड़े धोती हैं, सफाई करती हैं तथा बच्चों की देखभाल करती हैं। वे हमें समय पर विद्यालय भी भेजती हैं। वे बाजार से फल व सब्जियाँ आदि खरीदकर लाती हैं।
2. पिता दफ्तर में कार्य करते हैं।
3. पिता अपने परिवार के लिए धन कमाकर लाते हैं। भोजन, वस्त्र तथा अन्य आवश्यक वस्तुओं की व्यवस्था करते है।
4. अस्वस्थ होने पर हमारी देखभाल हमारे माता-पिता करते हैं।

क्रियात्मक कार्य– स्वयं करें।

7 अध्याय परिवार में बच्चों के कर्त्तव्य

क. **1.** (d) **2.** (b) **3.** (d) **4.** (c)

ख. **1.** स्वागत **2.** ध्यान **3.** खुश **4.** माता-पिता

ग. **1.** (✓) **2.** (✗) **3.** (✗) **4.** (✓)

घ. **1.** लड़के सुबह-शाम बाजार से दूध, फल, सब्जी आदि खरीदकर लाते हैं। अपने बगीचों के पौधों में पानी देते हैं। मेहमानों का स्वागत करते हैं तथा पिता जी की दुकान या दफ्तर में भोजन पहुँचाते हैं। दादा जी को पार्क में सैर कराने ले जाते हैं।
2. स्वयं करें।

3. लड़के-लड़कियाँ एक साथ मिलकर बगीचे में पिता जी की सहायता करते हैं और रात में सोने के लिए बिस्तर लगाते हैं।
4. खाना पकाने में माता जी की सहायता लड़कियाँ करती हैं।

क्रियात्मक कार्य– स्वयं करें।

8 अध्याय

हमारा पड़ोस

क. **1.** (b) **2.** (b) **3.** (a)

ख. **1.** झगड़ते **2.** त्योहार **3.** खेलते **4.** साथ

ग. **1.** (✗) **2.** (✓) **3.** (✗) **4.** (✓)

घ. **1.** हमारे घर के आस-पास अनेक अन्य परिवार भी अपने-अपने घरों में रहते हैं। इन घरों या परिवारों में रहने वाले लोग हमारे पड़ोसी कहलाते हैं।

2. अच्छे पड़ोसी परिवार के सदस्यों की तरह एक-दूसरे के पास बैठते हैं तथा हँसते एवं वार्तालाप करते हैं। अपने आस-पास के स्थानों की मिल-जुलकर सफ़ाई करते हैं तथा उन्हें साफ़-स्वच्छ बनाए रखते हैं।

3. अच्छे पड़ोसी निम्नलिखित कार्य नहीं करते–

- घर से उत्पन्न कूड़े-कर्कट को गली या आस-पास के स्थानों पर नहीं फेंकते।
- वे कभी आपस में लड़ते झगड़ते नहीं हैं।

क्रियात्मक कार्य– स्वयं करें।

9 अध्याय

विद्यालय

क. **1.** (b) **2.** (d) **3.** (b) **4.** (a)

ख. **1.** विद्यालय **2.** अध्यापक **3.** मित्र **4.** प्रधानाध्यापक

ग. **1.** (✗) **2.** (✓) **3.** (✓) **4.** (✗)

घ. **1.** मैं कक्षा एक में पढ़ता/पढ़ती हूँ।

2. स्वयं करें।

3. स्वयं करें।

4. हम विद्यालय में खेल खेलना तथा एक-दूसरे की सहायता करना सीखते हैं। हम विद्यालय में शिष्टाचार का ज्ञान प्राप्त करते हैं। हम विद्यालय में मिल-जुलकर रहना सीखते हैं।

क्रियात्मक कार्य– स्वयं करें।

10 अध्याय — हमारे सहायक

क. **1.** (b) **2.** (a) **3.** (d) **4.** (b)

ख. **1.** नाई **2.** दूध **3.** डाकिया **4.** लोहार

ग. **1.** (iii) **2.** (iv) **3.** (i) **4.** (ii)

घ. **1.** किसान हमारे लिए खाद्यान्न, फल एवं सब्जियाँ उगाता है।

2. चिकित्सक हमारे स्वास्थ्य की देखभाल अथवा सुरक्षा करता है।

3. हमें प्रतिदिन विभिन्न कार्यों में विभिन्न लोगों की सहायता लेनी पड़ती है, जो हमारे सहायक कहलाते हैं। जैसे– धोबी, पुलिस, किसान आदि।

4. सफाईकर्मी हमारी गलियों तथा सड़कों को साफ़–स्वच्छ बनाए रखता है।

क्रियात्मक कार्य– स्वयं करें।

11 अध्याय — शिष्टाचार

क. **1.** (b) **2.** (d) **3.** (a) **4.** (a)

ख. **1.** आशीर्वाद **2.** व्यवहार **3.** समय **4.** मधुर

ग. **1.** (✓) **2.** (✗) **3.** (✗) **4.** (✓)

घ. **1.** हम विद्यालय से शिष्टाचार सीखते हैं।

2. अच्छा व्यवहार करने वाले को शिष्ट तथा अच्छा व्यवहार न करने वाले को अशिष्ट कहा जाता है।

3. शिष्टाचार का अर्थ है– अच्छा आचरण।

4. हमारा व्यवहार नम्र होना चाहिए। नम्र व्यवहार रखने वालों से सब प्यार करते हैं। अच्छे आचरण के लिए हमें अपनी भाषा मधुर रखनी चाहिए।

क्रियात्मक कार्य– स्वयं करें।

12 अध्याय — हमारे पर्व

क. **1.** (d) **2.** (b) **3.** (a) **4.** (c)

ख. **1.** अच्छाई **2.** सिक्खों **3.** त्योहार **4.** खुशी

ग. **1.** (iv) **2.** (iii) **3.** (i) **4.** (ii)

घ. **1.** रामलीला से बच्चों को भगवान राम के जीवन की जानकारी मिलती है।

2. गुरुपर्व मनाने के लिए सिक्ख गुरुद्वारे में जाते हैं।

3. ईसाइयों के लिए यह बड़ी खुशी का दिन होता है। वे इस दिन चमकीले खिलौनों और बल्बों से क्रिसमस ट्री को सजाते हैं। गिरजाघर में प्रार्थना की जाती है।
4. ईद-उल-फितर मुसलमानों का प्रमुख त्योहार है। इस दिन मुसलमान नए वस्त्र पहनकर नमाज अदा करने मस्जिदों में जाते हैं। नमाज के बाद वे अपने मित्रों और रिश्तेदारों से गले मिलकर ईद मुबारक कहते हैं।

क्रियात्मक कार्य– स्वयं करें।

13 अध्याय पूजा-स्थल

क. **1.** (b) **2.** (b) **3.** (a) **4.** (b) **5.** (d)

ख. **1.** चर्च **2.** कुरान **3.** पूजा **4.** गुरुद्वारे

ग. **1.** (✓) **2.** (✗) **3.** (✓) **4.** (✗)

घ. **1.** हम प्रार्थना करने मन्दिर में जाते हैं।
2. ईसाई लोग प्रार्थना करने गिरजाघर जाते हैं।
3. हिन्दू पूजा के लिए मन्दिर जाते हैं।
4. मुसलमान मस्जिद में नमाज पढ़ते हैं।

क्रियात्मक कार्य– स्वयं करें।

14 अध्याय राष्ट्रीय पर्व

क. **1.** (b) **2.** (b) **3.** (b) **4.** (d)

ख. **1.** आजादी **2.** मोहनदास **3.** राष्ट्रपति **4.** सेनाध्यक्ष

ग. **1.** (✓) **2.** (✗) **3.** (✗) **4.** (✓)

घ. **1.** हमारा देश 15 अगस्त, 1947 को आजाद हुआ था।
2. गाँधी जयन्ती 2 अक्टूबर को मनाई जाती है।
3. हमारे राष्ट्रीय पर्व स्वतन्त्रता दिवस, गणतन्त्र दिवस, गाँधी जयन्ती हैं।
4. हमारा संविधान 26 जनवरी, 1950 को लागू हुआ था।

क्रियात्मक कार्य– स्वयं करें।

15 अध्याय पृथ्वी

क. **1.** (b) **2.** (c) **3.** (a) **4.** (d)

ख. 1. पृथ्वी **2.** गोल **3.** हरे **4.** सागर

ग. 1. (✗) **2.** (✓) **3.** (✓) **4.** (✗)

घ. 1. पृथ्वी की रचना मिट्टी, कंकड़, पत्थर आदि से हुई है।

2. ग्लोब, पृथ्वी का एक नमूना है। पृथ्वी ग्लोब की तरह दिखाई देती है।

3. धरातल के अत्यधिक ऊँचे भाग पर्वत कहलाते हैं।

4. जल तालाबों, झीलों, नदियों तथा सागरों में पाया जाता है।

क्रियात्मक कार्य– स्वयं करें।

16 अध्याय

प्रमुख ऋतुएँ

क. 1. (a) **2.** (a) **3.** (a)

ख. 1. सूती **2.** बसंत **3.** झुकी **4.** ऋतुएँ

ग. 1. (✓) **2.** (✓) **3.** (✗) **4.** (✓)

घ. 1. ग्रीष्म ऋतु में गर्मी से बचने के लिए हम सूती वस्त्र पहनते हैं तथा शीतल पेय पदार्थ पीते हैं।

2. पृथ्वी के चारों ओर उपस्थित वायु की दशा को मौसम कहते हैं।

3. मुख्य ऋतुएँ शीत ऋतु, ग्रीष्म ऋतु, वर्षा ऋतु, शरद ऋतु हैं।

क्रियात्मक कार्य– स्वयं करें।

17 अध्याय

मानव का इतिहास

क. 1. (a) **2.** (d) **3.** (a) **4.** (a)

ख. 1. घर **2.** पत्थरों **3.** वस्त्र **4.** पहिए

ग. 1. (✓) **2.** (✗) **3.** (✓) **4.** (✓)

घ. 1. आदिमानव का प्रमुख भोजन कन्द–मूल, फल व जन्तुओं का कच्चा मांस था।

2. दो पत्थरों को आपस में रगड़कर आदिमानव आग जलाता था।

3. आदिमानव गुफाओं में रहता था।

4. आदिमानव अपना शरीर ढकने के लिए वृक्षों की पत्तियाँ या जन्तुओं की खाल का प्रयोग करता था।

क्रियात्मक कार्य– स्वयं करें।

❐❐❐

हमारा समाज-2

1 अध्याय भोजन

क. 1. (b) **2.** (c) **3.** (d) **4.** (a)

ख. 1. मूलभूत **2.** होती **3.** अच्छा **4.** दूध

ग. 1. (✓) **2.** (✗) **3.** (✗) **4.** (✓)

घ. 1. भोजन दो प्रकार का होता है– शाकाहारी तथा मांसाहारी।

2. मछली, मांस, अण्डे आदि मांसाहारी भोजन हैं।

3. मनुष्यों तथा पृथ्वी के सभी प्राणियों को जीवित रहने के लिए भोजन की आवश्यकता होती है।

4. सब्जी, अनाज, दालें, फल आदि शाकाहारी भोजन हैं।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

2 अध्याय जल एवं वायु

क. 1. (a) **2.** (a) **3.** (c)

ख. 1. अधिक **2.** शुद्ध **3.** क्लोरीन **4.** मर

ग. 1. (✓) **2.** (✓) **3.** (✗) **4.** (✓)

घ. 1. हमें जल का प्रयोग करने से पहले इसे उबालना तथा छानना चाहिए।

2. भूमि के अन्दर का जल भूमिगत जल कहलाता है। इस भूमिगत जल को हम हैंडपम्प, ट्यूबवैलों, कुओं से निकालते हैं।

3. हम वायु के बिना जीवित नहीं रह सकते। वायु सर्वत्र विद्यमान है। हम वायु को देख नहीं सकते। हम इसे केवल महसूस कर सकते हैं। सभी सजीव वायु में साँस लेते हैं। इसलिए वायु हमारे लिए बहुत आवश्यक होती है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

3 अध्याय वस्त्र

क. 1. (a) **2.** (d) **3.** (b) **4.** (c)

ख. 1. भेड़ **2.** सूती **3.** गमबूट

ग. 1. (iv) **2.** (iii) **3.** (ii) **4.** (i)

घ. 1. वस्त्र गर्मी, सर्दी, वर्षा, धूल-मिट्टी आदि से हमारी रक्षा करते हैं। ये हमें सुन्दर तथा आकर्षक बनाते हैं।

2. हम ग्रीष्म ऋतु में सूती वस्त्र पहनना पसन्द करते हैं। ये हमारे शरीर के पसीने को सोखते हैं और हमारे शरीर को ठण्डा रखते हैं।

3. शीत ऋतु में हम ऊनी वस्त्र पहनते हैं। ऊनी वस्त्र ऊन के मोटे तथा मुलायम धागों से बने होते हैं।

4. कुछ वस्त्र मानव-निर्मित रेशों के बने होते हैं; जैसे–रेयॉन, टेरीकोट, टैरीन, नायलॉन और पॉलिस्टर। ऐसे वस्त्रों को कृत्रिम वस्त्र कहा जाता है।

5. कुछ लोग विशेष कार्य करते हैं। ये अपने कार्य-स्थल पर विशेष प्रकार के वस्त्र पहनते हैं। ये वस्त्र उनकी वर्दी अथवा यूनीफॉर्म कहलाती है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

अध्याय 4

हमारा घर

क. 1. (a) **2.** (d) **3.** (b) **4.** (a) **5.** (c)

ख. 1. बीमार **2.** बैठक **3.** घर **4.** रसोई **5.** वास्तुकार

ग. 1. (✗) **2.** (✗) **3.** (✗) **4.** (✓)

घ. 1. एक अच्छे घर के लिए, बड़ा होने तथा वैभवशाली होने की आवश्यकता नहीं होती। एक अच्छा घर वही होता है–

- जो साफ-सुथरा होता है।
- जिसमें खुली जगह होती है।

2. कच्चा घर–घास-फूस, मिट्टी (गारा), बाँस, पत्तियाँ आदि से बना घर कच्चा घर कहलाता है। ये अस्थायी होते हैं।

पक्का घर–ऐसे घर जिनका निर्माण, ईंट, सीमेंट, रेत, इस्पात, लकड़ी आदि से होता है, पक्के घर कहलाते हैं। फ्लैट, बंगला, बहुमंजिली इमारतें आदि पक्के घरों के उदाहरण हैं। ये स्थायी होते हैं।

3. घर में हम रसोईघर में भोजन बनाते हैं।

4. रोशनदान कमरे में हवा के आवागमन में सहायता करते हैं। ये घर की छत के पास लगाए जाते हैं। कमरों की बासी तथा गर्म हवा ऊपर उठकर रोशनदान के द्वारा बाहर निकल जाती है और दरवाजों तथा खिड़कियों से शुद्ध हवा अन्दर आ जाती है। इस क्रिया को वायु का आवागमन कहते हैं।
5. बर्फ से बने घरों को इग्लू कहते हैं। इग्लू में एस्किमों लोग रहते हैं।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

सुरक्षा के नियम

क. **1.** (b) **2.** (a) **3.** (b)

ख. **1.** दूर **2.** खेलना **3.** लापरवाही **4.** जेब्रा

ग. **1.** (✗) **2.** (✗) **3.** (✓) **4.** (✓)

घ. **1.** **घर पर सुरक्षा के नियम**–

- गीले हाथों से बिजली का प्लग व उपकरण कभी नहीं छूने चाहिएँ।
- सीढ़ियों पर धीरे-धीरे तथा सावधानीपूर्वक चलना चाहिए।

2. दुर्घटनाओं का मुख्य कारण हमारी लापरवाही होती है।

3. **प्राथमिक चिकित्सा**–घायल अथवा बीमार व्यक्ति को डॉक्टर के पास ले जाने से पहले दी जाने वाली चिकित्सा 'प्राथमिक चिकित्सा' कहलाती है।

4. **सड़क पर सुरक्षा के नियम**–

- चलती बस में से शरीर का कोई भी अंग बाहर नहीं निकालना चाहिए।
- बस में प्रवेश करते समय या उतरते समय हमेशा एक पंक्ति बनानी चाहिए।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

पड़ोस तथा पड़ोसी

क. **1.** (a) **2.** (b) **3.** (b) **4.** (a) **5.** (b)

ख. **1.** पड़ोस **2.** आदर्श **3.** माता-पिता **4.** सहायता

ग. **1.** (✗) **2.** (✓) **3.** (✓) **4.** (✗)

घ. 1. हमारे आस-पास रहने वाले परिवार या लोग ही हमारे पड़ोसी कहलाते हैं।

2. हमारे घर के आस-पास अन्य घरों में रहने वाले परिवारों से ही हमारा पड़ोस बनता है। एक अच्छे पड़ोस में हमारे जीवन को सरल एवं सुरक्षित बनाने वाले सभी स्थान स्थित होते हैं।

3. एक आदर्श पड़ोस में लोग मिलजुल कर तथा खुशी से एक-दूसरे के साथ रहते हैं।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

7 अध्याय महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थल

क. 1. (c) **2.** (b) **3.** (b)

ख. 1. विद्यालय **2.** अस्पताल **3.** 112 **4.** बैंक

ग. 1. (✗) **2.** (✓) **3.** (✗) **4.** (✓)

घ. 1. हमारे क्षेत्र में अनेक स्थान होते हैं जो क्षेत्र में रहने वाले लोगों को विविध प्रकार की सेवाएँ प्रदान करते हैं। इन्हें सार्वजनिक स्थल या स्थानीय सेवाएँ कहते हैं।

2. हम पोस्ट कार्ड डाकघर से खरीदते हैं।

3. विद्यालय वह स्थान है जहाँ हम पढ़ने-लिखने के लिए जाते हैं। इसके अतिरिक्त विद्यालय में बच्चे खेल खेलना, चित्र बनाना तथा उनमें रंग भरना, नाचना-गाना आदि अनेक अच्छी आदतें सीखते हैं।

4. बैंक लोगों की विविध प्रकार से सेवा करता है। लोग बैंक में अपना धन एवं मूल्यवान वस्तुएँ सुरक्षित रख सकते हैं। बैंक लोगों की जमा राशि को सुरक्षित ही नहीं रखता, बल्कि उस राशि पर निश्चित ब्याज भी देता है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

8 अध्याय हमारा विद्यालय

क. 1. (b) **2.** (b) **3.** (c)

ख. 1. खेलते **2.** विद्यार्थी **3.** प्रमुख **4.** विषय

ग. 1. (✗) **2.** (✓) **3.** (✗) **4.** (✓)

घ. 1. विद्यालय निम्न प्रकार के होते हैं–किंडरगार्टन, प्राथमिक विद्यालय, माध्यमिक विद्यालय, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय।

2. शिक्षक दिवस प्रतिवर्ष 5 सितंबर को मनाया जाता है। इस दिन विद्यार्थी शिक्षकों को शुभकामनाएँ व उपहार देते हैं। इस दिन कुछ वरिष्ठ विद्यार्थी अध्यापक बनते हैं व विभिन्न कक्षाओं में पढ़ाने जाते हैं।

3. विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चे विद्यार्थी कहलाते हैं।

4. प्राथमिक विद्यालय में छः से ग्यारह वर्ष की आयु के विद्यार्थी पढ़ने जाते हैं। इस विद्यालय में प्रथम से पाँचवीं तक की कक्षाएँ होती हैं।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

अध्याय 9

हमारे सहायक

क. 1. (c) **2.** (d) **3.** (b)

ख. 1. खाद्य पदार्थ **2.** जूतों **3.** अनेक **4.** वाहन

ग. 1. (iv) **2.** (iii) **3.** (ii) **4.** (i)

घ. 1. हमारी छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने के लिए बहुत-से लोगों की जरूरत होती है, जो हमारे सहायक कहलाते हैं; जैसे– दर्जी, चौकीदार।

2. दूधिया हमारे लिए दूध लाता है।

3. सफाईकर्मी हमारी सड़कों, गलियों की साफ-सफाई करता है। सफाईकर्मी एक अत्यन्त महत्वपूर्ण कार्य करता है। उसके कार्य हमारे आस-पास के वातावरण को स्वच्छ बनाते हैं।

4. **माली–** माली लॉन और बगीचे की देखभाल करता है। वह घास-पात हटाता है और पौधों को पानी देता है।

चालक– हम अपनी कार आदि को चलाने के लिए वाहन चालक को रखते हैं जो हमारी कार चलाता है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

10 अध्याय — राष्ट्रीय पर्व

क. **1.** (b) **2.** (a) **3.** (c) **4.** (b)
5. (b) **6.** (d)

ख. **1.** प्रधानमन्त्री **2.** सम्मान **3.** भूमि **4.** महात्मा गाँधी

ग. **1.** (✓) **2.** (✗) **3.** (✓) **4.** (✗)

घ. **1.** प्रतिवर्ष 15 अगस्त स्वतन्त्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है। क्योंकि इस दिन सन् 1947 में भारत को अंग्रेजी शासन से स्वतन्त्रता प्राप्त हुई थी।

2. 14 नवंबर बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह हमारे प्रथम प्रधानमन्त्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्म दिवस है। नेहरू जी बच्चों से बहुत प्यार करते थे।

3. राष्ट्रीय पर्वों का आयोजन सरकार द्वारा किया जाता है और सामान्य लोग इसमें हिस्सा लेते हैं।

4. प्रतिवर्ष 2 अक्टूबर का दिन 'राष्ट्रपिता' महात्मा गाँधी के जन्मदिवस को गाँधी जयन्ती के रूप में मनाया जाता है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

11 अध्याय — धार्मिक एवं फसल कटाई के त्योहार

क. **1.** (a) **2.** (b) **3.** (a)

ख. **1.** पश्चिम बंगाल **2.** दक्षिण **3.** पटाखे **4.** जनवरी

ग. **1.** (iv) **2.** (iii) **3.** (ii) **4.** (i)

घ. **1.** हिंदुओं के प्रमुख तीन त्योहार हैं–दीवाली, होली, दशहरा।

2. क्रिसमस ईसाइयों का प्रमुख त्योहार है। यह 25 दिसंबर को मनाया जाता है।

3. फसल कटाई के त्योहार बैसाखी और ओणम हैं।

4. गुरुपर्व सिक्खों का सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है। इस त्योहार को गुरुनानक देव जी के जन्म-दिवस के रूप में मनाया जाता है। लोग गुरुद्वारों में प्रार्थना करने जाते हैं और लंगर खाते और खिलाते हैं। इस अवसर पर भव्य शोभा यात्राएँ निकाली जाती हैं।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

12 अध्याय

हमारे पूजा-स्थल

क. 1. (b) **2.** (a) **3.** (d)

ख. 1. श्रीराम **2.** आदर **3.** एक **4.** गुरुबानी

ग. 1. (✗) **2.** (✓) **3.** (✓) **4.** (✓)

घ. 1. हिन्दुओं के मुख्य पवित्र ग्रन्थ श्रीमद्‌भागवद् गीता और रामायण हैं।

2. सिक्खों के पूजा स्थल को गुरुद्वारा कहते हैं।

3. ईसाई रविवार को गिरजाघर में एकत्रित होते हैं।

4. मुसलमान मस्जिद में नमाज पढ़ते हैं।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

13 अध्याय

परिवहन तथा परिवहन के साधन

क. 1. (a) **2.** (a) **3.** (a) **4.** (a) **5.** (b)

ख. 1. घोड़े **2.** वायु **3.** विद्युत **4.** समुद्र

ग. 1. (iv) **2.** (iii) **3.** (ii) **4.** (i)

घ. 1. हमें प्रतिदिन किसी न किसी कारण से एक स्थान से दूसरे स्थान पर आना–जाना पड़ता है। कभी हम अपने मित्रों या सगे–सम्बन्धियों से मिलने, कभी किसी तीर्थ यात्रा पर, तो कभी किसी अन्य कारण से एक स्थान से दूसरे स्थान पर आते जाते रहते हैं। हमारे इस तरह आने–जाने की यह प्रक्रिया ही, परिवहन कहलाती है।

2. जल परिवहन के साधन नाव, जलयान, मालवाहक जलयान आदि हैं।

3. गाँवों में ताँगे, बैलगाड़ियाँ, मोटरसाइकिलें और साइकिलें आदि वाहन लोगों की आस–पास यात्रा करने में सहायता करते हैं।

4. वायु परिवहन, परिवहन का तीव्रतम साधन है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

अध्याय 14

संचार के साधन

क. 1. (b) **2.** (d) **3.** (d) **4.** (a)

ख. 1. टेलीविजन **2.** अनेक **3.** पुराना **4.** छोटा

ग. 1. (✗) **2.** (✓) **3.** (✓) **4.** (✗)

घ. 1. टेलीफोन के द्वारा संदेश अतिशीघ्र तथा स्पष्ट रूप से प्रेषित किए जाते हैं। इसके लिए हमें नम्बर डायल करना पड़ता है। टेलीफोन एक तार से जुड़ा होता है। यह तार संदेशों को ले जाता है। आजकल सेल्युलर फोन अत्यधिक प्रचलित हैं। इसे मोबाइल भी कहते हैं। यह आकार में छोटा होता है।

2. संदेशों अथवा सूचनाओं को एक स्थान से दूसरे स्थान पर प्रेषित करना संचार कहलाता है। समाचार पत्र तथा टेलीफोन संचार के साधनों में से हैं।

3. समाचार-पत्र भी संचार के अत्यन्त लोकप्रिय साधन हैं। ये मुद्रित रूप में समाचार देते हैं तथा ये अनेक भाषाओं में उपलब्ध होते हैं। समाचार-पत्र लगभग सभी व्यक्तियों द्वारा पढ़े जाते हैं।

4. फैक्स मशीन संचार का आधुनिक साधन है। इसका प्रयोग मुद्रित संदेशों को प्रेषित करने में किया जाता है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

अध्याय 15

सूर्य एवं पृथ्वी

क. 1. (a) **2.** (a) **3.** (b) **4.** (b)

ख. 1. दूर **2.** पर्वत **3.** तारा **4.** नहीं

ग. 1. (✗) **2.** (✓) **3.** (✓) **4.** (✓)

घ. 1. पृथ्वी धरातल के चारों ओर वायु का एक घना आवरण विद्यमान है, जिसे वायुमण्डल कहते हैं।

2. पृथ्वी के धरातल का तीन-चौथाई भाग जल से घिरा है।

3. पृथ्वी के मुख्य भू-भाग मैदान, पहाड़ी, पर्वत, पठार, घाटी तथा वन आदि हैं।

4. पृथ्वी के भीतर से हमें कोयला, लौह-अयस्क, तेल तथा अन्य अनेक खनिज प्राप्त होते हैं।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

पर्यावरण और प्रदूषण

क. 1. (b) **2.** (b) **3.** (a) **4.** (a)

ख. 1. पर्यावरण **2.** बुरे **3.** नदियों **4.** वस्त्र

ग. 1. (✗) **2.** (✓) **3.** (✗) **4.** (✓)

घ. 1. पर्यावरण के स्वच्छ तत्वों में अस्वच्छ तत्वों का मिल जाना ही, पर्यावरण प्रदूषण कहलाता है।

2. वायु प्रदूषण के प्रमुख तीन कारण हैं–

- ग्रामीण क्षेत्रों में भोजन पकाने के लिए ईंधन (लकड़ियों या उपलों) को जलाने से उत्पन्न होने वाला धुआँ।
- कृषि क्षेत्र में किए जाने वाले कीटनाशक व खरपतवारनाशक रसायनों का छिड़काव आदि।
- विभिन्न कारखानों तथा मोटर-वाहनों से उत्पन्न होने वाली विषैली गैसें।

3. जल प्रदूषण की रोकथाम के उपाय–

- हमें अपने पशुओं को तालाबों, झीलों आदि में नहीं नहलाना चाहिए।
- कारखानों तथा घरों से उत्पन्न गन्दे पानी को नदियों व झीलों में नहीं बहाना चाहिए।
- हमें विषैले रसायनों, डिटरजेंट व कीटनाशकों के प्रयोग में कमी करनी चाहिए।

4. ध्वनि प्रदूषण को शोर प्रदूषण भी कहते हैं। शोर या ध्वनि प्रदूषण के प्रमुख कारण वाहनों तथा कारखानों की मशीनों से उत्पन्न होने वाला असहनीय शोर होता है। ध्वनि प्रदूषण के कारण हम मस्तिष्क व हृदय से सम्बन्धित रोगों या बहरेपन के शिकार हो सकते हैं। अत: ध्वनि उत्पन्न करने वाले इन सभी स्त्रोतों पर प्रतिबन्ध लगाना चाहिए।

5. भूमि प्रदूषण के प्रमुख कारण हैं–

- मिट्टी में रसायनों तथा उर्वरकों की अपेक्षा से अधिक मात्रा का उपयोग करना।
- शहरों के निकटतम खेतों की सिंचाई के लिए नालों के गन्दे या प्रदूषित जल का प्रयोग करना।
- घरों तथा कारखानों से उत्पन्न कूड़े-करकट को किसी अच्छी भूमि पर एकत्र करना।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

17
अध्याय

आग और पहिए का आविष्कार

क. 1. (c) **2.** (a) **3.** (a)

ख. 1. पकाकर **2.** लंबी **3.** दो **4.** स्वयं

ग. 1. (iv) **2.** (i) **3.** (ii) **4.** (iii)

घ. 1. आदि मानव प्राकृतिक गुफाओं में रहता था।

2. आदि मानव ने पत्थरों को आपस में रगड़ते हुए, सहसा ही आग जलाना सीख लिया। आग जलाना आदि मानव के लिए महत्वपूर्ण खोज थी।

3. आदि मानव अपना बोझ स्लेज की सहायता से ढोता था।

4. आदिमानव की पहली पहिया–गाड़ी को स्लेज कहते थे।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

❑❑❑

हमारा समाज-3

1 अध्याय — ब्रह्माण्ड तथा पृथ्वी

क. **1.** (a) **2.** (a) **3.** (a) **4.** (c)
5. (d) **6.** (b)

ख. **1.** 70% **2.** आठ **3.** ध्रुव **4.** गोल **5.** गोला

ग. **1.** (✗) **2.** (✓) **3.** (✗) **4.** (✓) **5.** (✓)

घ. **1.** (ii) **2.** (v) **3.** (iv) **4.** (iii) **5.** (i)

ङ. **1.** सूर्य से टूटे हुए एक टुकड़े के ठण्डा होने के कारण पृथ्वी की उत्पत्ति हुई। सूर्य की भाँति ही पृथ्वी भी एक आग का गोला थी अर्थात् उस समय पृथ्वी बहुत ज्यादा गर्म थी, परन्तु लाखों वर्षों में धीरे-धीरे पृथ्वी ठण्डी होती गई तथा इस पर छोटे-छोटे कण वायुमण्डल में एकत्रित होने लगे। पृथ्वी के तापमान में गिरावट आने से उसका धरातल कहीं ऊँचा और कहीं नीचा हो गया। इस प्रकार पृथ्वी का निर्माण हुआ।

2. पृथ्वी के सिरों को ध्रुव कहते हैं।

3. पृथ्वी को अनोखा ग्रह इसलिए कहा गया है क्योंकि इस ग्रह पर ही एकमात्र जीवन है। इसमें पानी, वायुमण्डल और अन्य तत्व होते हैं जो इसे अनोखा बनाते हैं।

4. पृथ्वी पर वनस्पति का जन्म लगभग दस खरब वर्ष पूर्व हुआ।

5. अमीबा से विकसित होकर जलचर, उभयचर तथा स्तनधारी जीवों की उत्पत्ति हुई।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

2 अध्याय — ग्लोब तथा मानचित्र

क. **1.** (a) **2.** (b) **3.** (a) **4.** (b) **5.** (a)

ख. **1.** नमूना **2.** एशिया **3.** बड़े **4.** उत्तर **5.** महाद्वीप

ग. **1.** (✗) **2.** (✓) **3.** (✗) **4.** (✓) **5.** (✓)

घ. 1. ग्लोब पृथ्वी का एक छोटा प्रतिमान अथवा नमूना है। यह पृथ्वी की आकृति के समान गोल होता है। केवल ग्लोब ही पृथ्वी की सम्पूर्ण रूप से सही आकृति दर्शाता है। यह पृथ्वी की तरह अपनी धुरी पर झुका होता है।

2. ग्लोब– ग्लोब पृथ्वी की आकृति के समान गोल होता है। हम एक बार में ग्लोब पर पृथ्वी का एक भाग ही देख पाते है।

मानचित्र– मानचित्र को समतल सतह पर बनाया जाता है। यह पृथ्वी के पूरे धरातल का भी हो सकता है अथवा इसके किसी एक भाग का भी। मानचित्र बहुत बड़े भी हो सकते हैं और बहुत छोटे भी। वे मोड़े जा सकते हैं। उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान पर सरलता से ले जाया जा सकता है।

3. मानचित्र को पढ़ने में दिशाएँ (पूर्व, पश्चिम, उत्तर व दक्षिण) हमारी सहायता करती हैं। हम दीवार पर टंगें मानचित्र में दिशाएँ ज्ञात कर सकते हैं–

- ऊपर की ओर उत्तर दिशा तथा नीचे की ओर दक्षिण दिशा होती है।
- इसके दाईं ओर पूर्व दिशा तथा बाईं ओर पश्चिम दिशा होती है।

4. पृथ्वी पर जल का बहुत बड़ा विस्तार महासागर कहलाता है। इनकी संख्या पाँच है–

- प्रशान्त महासागर
- अटलाण्टिक महासागर
- हिन्द महासागर
- दक्षिणी महासागर
- आर्कटिक महासागर

5. पृथ्वी पर भूमि बहुत बड़े-बड़े भागों में बँटी हुई है। भूमि के बहुत बड़े भाग को महाद्वीप कहते हैं।

पृथ्वी पर निम्नलिखित सात महाद्वीप हैं–

- एशिया
- यूरोप
- अफ्रीका
- उत्तरी अमेरिका
- दक्षिणी अमेरिका
- अण्टार्कटिका
- ऑस्ट्रेलिया

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

3 अध्याय

दिल्ली

क. 1. (a) **2.** (b) **3.** (d) **4.** (a) **5.** (a)

ख. 1. इन्दिरा **2.** महरौली **3.** उत्तरी **4.** राष्ट्रपति **5.** शाहजहाँ

ग. 1. (✓) **2.** (✓) **3.** (✗) **4.** (✗) **5.** (✓)

घ. 1. (v) **2.** (iv) **3.** (ii) **4.** (i) **5.** (iii)

ङ. 1. संसद भवन की आकृति त्रिभुजाकार है। इसका उद्घाटन प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा 28 मई, 2023 को किया गया था। इसके लोकसभा परिसर में 888 सदस्यों तथा राज्यसभा परिसर में 384 सदस्यों के बैठने की व्यवस्था है। यह राष्ट्रपति भवन के निकट स्थित है।

2. कुतुबमीनार के निकट एक लौह स्तम्भ स्थित है। यह 1500 वर्षों से भी अधिक प्राचीन है। इसे अशोक लौह स्तम्भ के रूप में जाना जाता है। इस स्तम्भ पर किसी भी प्रकार की जंग का कोई असर नहीं हुआ है।

3. भारत के राष्ट्रपति, राष्ट्रपति भवन में रहते हैं।

4. इण्डिया गेट उन भारतीय सैनिकों की याद में बनवाया गया था जिन्होंने अपनी मातृभूमि के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। यहाँ पर एक ज्योति निरन्तर प्रज्वलित रहती है। इसे अमर जवान ज्योति कहते हैं। यह राष्ट्रपति भवन से कुछ दूरी पर स्थित है।

5. इण्डिया गेट, कुतुबमीनार, लाल किला, राष्ट्रपति भवन, अक्षरधाम।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

मुम्बई

क. 1. (d) **2.** (c) **3.** (c)

ख. 1. मुख्य **2.** जहाँगीर **3.** दक्षिणी **4.** पश्चिमी **5.** मुम्बई

ग. 1. (✓) **2.** (✗) **3.** (✗) **4.** (✓) **5.** (✓)

घ. 1. मुम्बई में सूती वस्त्र, खनिज तेल, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, प्लास्टिक, मोटर वाहन, चीनी आदि कई प्रमुख उद्योग स्थित हैं। भारत का पहला परमाण्विक शक्ति संयन्त्र ट्रॉम्बे में स्थित है, जो मुम्बई के बहुत समीप है। इस संयन्त्र को 'भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र' कहते हैं। मुम्बई फिल्म उद्योग का मुख्य केन्द्र है। मुम्बई में अनेक फिल्म स्टूडियो हैं। अधिकांश हिन्दी फिल्में इन स्टूडियों में बनाई जाती हैं। प्रत्येक वर्ष अनेक फिल्मों का निर्माण व प्रदर्शन होता है।

यह उद्योग बॉलीवुड के नाम से विख्यात है। भारत विश्व में सर्वाधिक फिल्में बनाने वाला देश है।

2. मुम्बई का मुख्य त्योहार गणेश चतुर्थी है। यह बहुत हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है।
3. मुम्बई की जलवायु न तो बहुत गर्म है और न ही बहुत ठण्डी है।
4. मुम्बई में स्थित कुछ पर्यटक स्थल निम्न हैं– जहाँगीर आर्ट गैलरी, जैन मन्दिर, सिद्धि विनायक मन्दिर, राजबाई टॉवर, ऐस्सल वर्ल्ड, मालाबार की पहाड़ियाँ, हाजी अली की दरगाह आदि।
5. मुम्बई के प्रसिद्ध व्यंजन भेलपूरी, पावभाजी, श्रीखण्ड आदि हैं।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

5
अध्याय

कोलकाता

क. **1.** (a) **2.** (a) **3.** (c)

ख. **1.** सभी धर्मों **2.** दुर्गा पूजा **3.** हुगली **4.** फुटबॉल **5.** सफेद

ग. **1.** (✗) **2.** (✓) **3.** (✓) **4.** (✗) **5.** (✓)

घ. **1.** पश्चिम बंगाल का लोकप्रिय त्योहार दुर्गा पूजा है।

2. कोलकाता के मुख्य व्यंजन संदेश, चमचम, रसगुल्ला तथा मछली चावल हैं।
3. हावड़ा पुल एक सामान्य पुल से भिन्न है। प्रारम्भ से ही यह पुल अन्य पुलों की तुलना में भिन्न प्रकार का है, क्योंकि इसमें अन्य पुलों की तरह स्तम्भ नहीं हैं। प्रारम्भ में यह पुल अपने मध्य भाग से ऊपर उठ जाता था। इस प्रकार नदी से गुजरने वाले जलयानों को रास्ता मिल जाता था, किन्तु अब इस पुल को स्थिर कर दिया गया है, क्योंकि अब जलयान इसके नीचे से नहीं गुजरते हैं। हुगली पर ही एक नया पुल और बना दिया गया है, जिसका नाम विद्यासागर सेतु है।
4. डायमंड हार्बर हुगली नदी पर स्थित एक बन्दरगाह है, जो कोलकाता का ही एक भाग है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

अध्याय 6

चेन्नई

क. 1. (b) **2.** (a) **3.** (b) **4.** (b)
5. (b) **6.** (b)

ख. 1. दक्षिणी **2.** पोंगल **3.** तमिलनाडु **4.** रेलवे **5.** 1640

ग. 1. (✗) **2.** (✗) **3.** (✓) **4.** (✓) **5.** (✓)

घ. 1. (iv) **2.** (i) **3.** (ii) **4.** (v) **5.** (iii)

ङ. 1. इडली, डोसा।

2. पोंगल तमिलनाडु के लोगों का मुख्य त्योहार है। यह मुख्यतः फसल कटाई का त्योहार है तथा तीन दिनों तक मनाया जाता है। इसके अतिरिक्त यहाँ दीपावली, ईद, क्रिसमस आदि भी मनाए जाते हैं।

चेन्नई में अन्य पर्यटक स्थल हैं—चेपौक महल, चेन्नई संग्रहालय, सेण्ट जॉर्ज का किला, राजाजी हॉल, गाँधी मनदीप, स्नेक पार्क आदि। यहाँ के मन्दिर पत्थरों पर की गई सुन्दर नक्काशी के कारण अत्यधिक लोकप्रिय हैं।

3. चेन्नई भारत के दक्षिणी-पूर्वी तट पर स्थित है जोकि बंगाल की खाड़ी के सम्मुख है।

4. चेन्नई के लोगों की मुख्य भाषा तमिल है।

5. चेन्नई की जलवायु आर्द्र है। यहाँ गर्मियों की अपेक्षा सर्दियों में अधिक वर्षा होती है। इसी कारण यहाँ के लोग सूती वस्त्र पहनते हैं।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

अध्याय 7

भारत के राज्य

क. **1.** (b) **2.** (b) **3.** (b) **4.** (c) **5.** (b) **6.** (c)

ख. 1. 28 **2.** राजधानी **3.** नई दिल्ली **4.** 8

ग. 1. (✓) **2.** (✓) **3.** (✓) **4.** (✗) **5.** (✓)

घ. 1. (iii) **2.** (i) **3.** (ii) **4.** (v) **5.** (iv)

ङ. 1. हमारे देश में 8 केन्द्रशासित प्रदेश हैं।

2. देश के कुछ भागों की देखभाल केन्द्र सरकार स्वयं करती है। ऐसे भाग केन्द्रशासित प्रदेश कहलाते हैं।

3. राज्य उस संगठित इकाई को कहते हैं जो एक शासन (सरकार) के अधीन हो। भारत के प्रदेशों को भी राज्य कहते हैं। हमारे देश में 28 राज्य हैं।
4. स्वयं करें।
5. स्वयं करें।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

अध्याय 8

भारत के भू-क्षेत्र

क. 1. (b) **2.** (c) **3.** (a) **4.** (a) **5.** (c) **6.** (d)

ख. 1. पहाड़ियाँ **2.** अरब **3.** एशिया **4.** माउण्ट एवरेस्ट
5. मालवा

ग. 1. (✓) **2.** (✓) **3.** (✗) **4.** (✗) **5.** (✓)

घ. 1. (ii) **2.** (iv) **3.** (v) **4.** (iii) **5.** (i)

ङ. 1. हिमालय के दक्षिण में उत्तरी मैदान हैं जिन्हें गंगा के मैदान भी कहा जाता है; इन क्षेत्रों में समतल भूमि पाई जाती है। ये हिमालय से निकली गंगा, सतलुज, ब्रह्मपुत्र आदि नदियों द्वारा सिंचित हैं। ये नदियाँ अपने साथ महीन मिट्टी बहाकर लाती हैं, जिसे सिल्ट (silt) कहा जाता है। यह इस क्षेत्र को उपजाऊ बनाती है।

2. चारों ओर जल से घिरे भूमि के टुकड़े को द्वीप कहते हैं। द्वीपों के समूह को द्वीपसमूह कहते हैं। 36 द्वीपों का समूह 'लक्षद्वीप' अरब सागर में तथा अण्डमान एवं निकोबार द्वीपसमूह बंगाल की खाड़ी में स्थित है।

3. हिमालय पर्वत श्रृंखला पश्चिम में जम्मू–कश्मीर से पूरब में अरुणाचल प्रदेश तक एक तलवार की भाँति फैली है। हिमालय में संसार की कई ऊँची चोटियाँ हैं।

4. विस्तृत तथा रेतीले भाग को मरुस्थल या रेगिस्तान कहते हैं। भारत के उत्तरी–पश्चिमी भाग में भारतीय मरुस्थल हैं।

5. दक्षिणी पठार का ढाल पश्चिम से पूर्व की ओर है। जिस कारण इस क्षेत्र में अधिकतर नदियाँ पश्चिम से पूर्व की ओर बहती हैं। यही इसकी प्रमुख विशेषता है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

9
अध्याय

खनिज एवं उद्योग

क. 1. (a) **2.** (a) **3.** (b) **4.** (c)

ख. 1. अभ्रक **2.** कपड़ा **3.** प्रथम **4.** कोलार

ग. 1. (✗) **2.** (✗) **3.** (✓) **4.** (✓)

घ. 1. (ii) **2.** (v) **3.** (i) **4.** (iv) **5.** (iii)

ङ. 1. बॉक्साइट का मुख्य प्रयोग एल्युमीनियम को बनाने में किया जाता है।

2. हम कच्चे माल के द्वारा अनेक प्रकार की वस्तुओं का निर्माण करते हैं। इस प्रकार के निर्माण को ही उद्योग कहते हैं। उद्योगों का विकास अच्छी यातायात व्यवस्था तथा कच्चे माल की उपलब्धता पर निर्भर करता है।

3. हमारे देश में लोहा, हीरा, मैंगनीज, अभ्रक, बॉक्साइड, ताँबा, कोयला, पेट्रोलियम तथा सोना आदि खनिज पाए जाते हैं।

4. कोयला पश्चिम बंगाल, झारखण्ड, बिहार, आन्ध्र प्रदेश तथा मध्य प्रदेश में निकाला जाता है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

10
अध्याय

वन-सम्पदा

क. 1. (d) **2.** (b) **3.** (a) **4.** (a)

ख. 1. सदाबहार वन **2.** कोमल **3.** 19.4 **4.** पर्णपाती वन

ग. 1. (✓) **2.** (✓) **3.** (✗) **4.** (✗) **5.** (✗)

घ. 1. भारत में पाँच प्रकार के वन पाए जाते हैं।
पर्वतीय वन, सदाबहार वन, सुन्दर वन, पर्णपाती वन और शंकु वन।

2. **सदाबहार वन**–वर्ष भर हरे-भरे रहने वाले वन को सदाबहार वन कहते हैं। इन वनों के वृक्षों से किसी भी समय सारी पत्तियाँ नहीं गिरती हैं। ये वर्ष भर हरे-भरे रहते हैं। ये वृक्ष बहुत ऊँचे-ऊँचे होते हैं।

पर्णपाती वन–इन वनों को पतझड़ वाले वन भी कहते हैं क्योंकि गर्मी शुरू होते ही ऐसे वनों के वृक्षों की पत्तियाँ गिर जाती हैं। अतः इन वनों को मानसूनी वन भी कहा जाता है। इन वनों की लकड़ी बहुत उपयोगी तथा मूल्यवान होती है।

3. वह भू-क्षेत्र जहाँ वृक्षों का घनत्व सामान्य से अधिक होता है, उसे वन कहते हैं। यहाँ पर वृक्ष बीज बिखरने पर स्वयं उग आते हैं। हमारे देश के कुल क्षेत्रफल के 19.4 प्रतिशत भाग में वन हैं।
4. सुन्दर वन समुद्र के निकट नदी के डेल्टा में पाए जाते हैं। समुद्र में ज्वार आने पर इन वनों की जड़ों में खारा पानी पहुँचता है। गंगा नदी के डेल्टा (सुन्दरवन) में ये वन अधिक पाए जाते हैं। अतः इन्हें सुन्दरवन कहते हैं। इन वनों में सुन्दरी के वृक्ष पाए जाते हैं।
5. **वनों का महत्व**–
   - वन हमारे लिए बहुत उपयोगी हैं। वनों से हमें दैनिक उपयोग और उद्योगों के लिए बहुत-सी वस्तुएँ मिलती हैं।
   - इनसे हमें इमारती लकड़ी, ईंधन की लकड़ी, गोंद, बाँस, बेंत, घास, लुगदी, रेजिन (राल), लाख, शहद तथा अनेक जड़ी-बूटियाँ मिलती हैं।
   - वन वर्षा कराने में भी सहायक होते हैं।
   - इनसे मिट्टी का कटाव रुकता है।
   - वन हमें शुद्ध वायु देते हैं।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

11
अध्याय

हमारे परिधान

क. **1.** (a) **2.** (a) **3.** (a)

ख. **1.** कश्मीर **2.** बाकू **3.** सफेद **4.** सलवार **5.** पुरुषों

ग. **1.** (✗) **2.** (✓) **3.** (✗) **4.** (✓)

घ. **1.** भारत में महिलाएँ साड़ी, सलवार-कमीज तथा घाघरा-चोली आदि पहनती हैं।

2. लोग अपने व्यवसायों के अनुसार भिन्न-भिन्न प्रकार के विशेष परिधान पहनते हैं। इन विशेष परिधानों को वर्दी कहा जाता है। बच्चों की भी विद्यालय के लिए एक अलग वर्दी होती है। चिकित्सक, नर्स, पुलिसकर्मी, दमकलकर्मी और सैनिक अपने व्यवसाय के अनुसार भिन्न-भिन्न प्रकार की वर्दियाँ पहनते हैं।

3. भारत के विभिन्न राज्यों के लोग भिन्न-भिन्न प्रकार के परिधान पहनते हैं क्योंकि हमारे परिधान उस क्षेत्र विशेष की जलवायु और ऋतु पर निर्भर करते हैं जहाँ हम रहते हैं।

4. पुरुषों की प्रचलित वेशभूषाएँ पैंट-कमीज, कुर्ता-पायजामा हैं।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

12 अध्याय हमारे व्यवसाय

क. **1.** (b) **2.** (a) **3.** (a) **4.** (b)

ख. **1.** भेड़ **2.** लकड़ी **3.** कृषि **4.** तालाब **5.** पशुपालन

ग. **1.** (✓) **2.** (✗) **3.** (✓) **4.** (✗) **5.** (✓)

घ. **1.** (ii) **2.** (i) **3.** (iv) **4.** (v) **5.** (iii)

ङ. **1.** भारत के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि है।

2. हम अपनी सेवाएँ देकर निम्न व्यवसाय प्राप्त कर सकते हैं– कृषि, चिकित्सा, पशुपालन, अध्यापिका/अध्यापक आदि।

3. धन कमाने के लिए जो कारोबार किए जाते हैं वही कारोबार ही व्यवसाय कहलाते हैं। प्रत्येक व्यक्ति अपनी भौतिक क्षमता तथा कौशल के आधार पर अपने व्यवसाय का चुनाव करता है।

4. खनन पृथ्वी से खनिज तथा अन्य पदार्थ निकालने की प्रक्रिया है। हमारे देश के कुछ भागों में प्रचुर मात्रा में कोयला, अभ्रक, जिंक, ताँबा तथा पेट्रोलियम विद्यमान हैं। कुछ खानें बहुत गहरी हैं। ऐसे भागों में खनन लोगों के लिए सबसे महत्वपूर्ण व्यवसाय है, किन्तु खान में कार्य करना अत्यन्त कठिन होता है।

5. वनों से प्राप्त होने वाले उत्पादों के नाम निम्नलिखित है– तेंदू पत्तियाँ, जिनका उपयोग बीड़ी बनाने में होता है; जड़ी-बूटियाँ, गोंद तथा अन्य उपयोगी वस्तुएँ।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

13 अध्याय जिले का शासन प्रबन्ध

क. **1.** (a) **2.** (b) **3.** (b)

ख. **1.** वार्डों **2.** जेल **3.** तहसीलदार **4.** सिंचाई

ग. **1.** (iii) **2.** (iv) **3.** (i) **4.** (v) **5.** (ii)

घ. 1. पुलिस अपराधों की रोकथाम करती है और शान्ति-व्यवस्था बनाए रखने में सहायता करती है। ट्रैफिक-पुलिस यातायात पर नियन्त्रण रखती है।

2. जेल में अपराधियों को सुधारने का प्रयत्न किया जाता है। इन्हें कई प्रकार का कार्य सिखाकर अच्छा नागरिक बनने का प्रशिक्षण दिया जाता है।

3. जिलाधिकारी के कार्य–जिलाधिकारी के प्रमुख कार्य निम्नलिखित हैं–

- खेती के लगान (भूमि कर) की वसूली करना।
- बाढ़, सूखा और संक्रामक रोगों के फैलने पर सहायता पहुँचाना आदि।
- सरकारी आय का हिसाब-किताब रखना।

4. जिले में न्याय का सबसे बड़ा अधिकारी जिला जज (जिला न्यायाधीश) होता है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

14
अध्याय

स्थानीय सरकार

क. 1. (a) **2.** (a) **3.** (d) **4.** (b) **5.** (a)

ख. 1. पंचायत **2.** नगरपालिका **3.** गाँव **4.** महापौर **5.** राज्य

ग. 1. (✓) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✗) **5.** (✓)

घ. 1. (v) **2.** (iv) **3.** (iii) **4.** (ii) **5.** (i)

ङ. 1. ग्राम सभा के मुख्य कार्य हैं–

- यह सभी को पीने का स्वच्छ जल उपलब्ध करवाती है।
- यह गाँव की सड़क की देखभाल करती है।
- यह किसानों को कृषि में नई तकनीकें अपनाने के लिए निर्देशित करती है।
- यह गाँव की स्वच्छता तथा स्वास्थ्य विज्ञान की देख-रेख करती है।
- यह औषधालयों पर अच्छी स्वास्थ्य-सुविधाएँ उपलब्ध करवाती है।

2. नगरपालिका के मुख्य कार्य हैं–

- यह सभी लोगों के लिए पीने के जल की व्यवस्था करती है।
- यह प्रौढ़ों के लिए साक्षरता कार्यक्रमों की व्यवस्था करती है।
- यह 14 वर्ष तक के बच्चों को निःशुल्क तथा अनिवार्य शिक्षा उपलब्ध करवाती है।
- यह शहर को साफ-सुथरा रखने के लिए भू-अपशिष्ट को एकत्र करके उसका प्रबंधन करती है तथा सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण करवाती है।

3. ग्राम सभा किसी एक गाँव या पंचायत का चुनाव करने वाले गाँवों के समूह को मतदाता सूची में शामिल व्यक्तियों से मिलकर बनी संस्था है।

4. नगर को कई भागों में बाँट दिया जाता है, उन भागों को वार्ड कहते हैं। प्रत्येक वार्ड से एक सदस्य चुना जाता है। इस प्रतिनिधि को पार्षद कहते हैं।

5. गाँव के स्त्री–पुरुष अर्थात् सभी व्यक्ति जो 18 वर्ष या इससे अधिक आयु के हैं वे सभी ग्राम पंचायत के चुनाव में भाग ले सकते हैं।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

15 अध्याय

यातायात के साधन

क. 1. (a) **2.** (d) **3.** (b) **4.** (a)

ख. 1. सस्ता **2.** तैरती **3.** ट्रैक्टर–ट्रॉली
4. शिवाजी **5.** हवाई जहाज

ग. 1. (✗) **2.** (✗) **3.** (✓) **4.** (✓) **5.** (✓)

घ. 1. (iii) **2.** (iv) **3.** (i) **4.** (ii)

ङ. 1. स्थल यातायात के चार मुख्य साधनों के नाम निम्न हैं—कार, स्कूटर, मोटर बाइक, बस।

2. जल की सतह पर तैर कर गति करने वाले वाहन जल यातायात या परिवहन के साधन कहलाते हैं। जल परिवहन के प्रमुख साधन हैं—जलयान, नाव, स्टीमर आदि।

वह स्थान जहाँ से जल जहाज से यात्री का माल चढ़ाया या उतरा जाता है, वह बन्दरगाह कहलाता है।

3. प्रायः लोग अपने मित्रों व सगे–सम्बन्धियों से मिलने या फिर किसी कृषि उत्पादों, कच्चे माल तथा औद्योगिक तैयार माल को एक स्थान से अन्य स्थान पर भेजा जाता है। इन सभी उद्देश्यों के लिए हम मुख्यतः बैलगाड़ी, साइकिल, बस, रेलगाड़ी, कार, बाइक, जलयान, वायुयान आदि का प्रयोग करते हैं। इन्हें यातायात के साधन कहते हैं। यातायात के साधन तीन प्रकार के हैं– स्थल यातायात, जल यातायात तथा वायु यातायात।

4. वायु परिवहन सर्वाधिक तीव्रगामी परिवहन माध्यम है। वायुयान लम्बी दूरियाँ घण्टों में तय कर लेता है। वायुयान से यात्रा करना बहुत महंगा होता है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

16 अध्याय

संचार के साधन

क.	**1.** (b)	**2.** (a)	**3.** (a)	**4.** (d)	**5.** (d)
ख.	**1.** उपकरण	**2.** प्रक्षेपित	**3.** लिखते	**4.** सस्ता	**5.** आई.एस.डी.
ग.	**1.** (✗)	**2.** (✓)	**3.** (✓)	**4.** (✓)	**5.** (✓)
घ.	**1.** (v)	**2.** (iv)	**3.** (ii)	**4.** (i)	**5.** (iii)

ङ. **1.** कम्प्यूटर संचार का नवीनतम तथा सस्ता साधन है। हम ई–मेल द्वारा विश्व में कहीं भी बहुत जल्दी लोगों से संचार कर सकते हैं।

2. कृत्रिम उपग्रह वे होते हैं जो मनुष्य द्वारा बनाए जाते हैं। अनेक कृत्रिम उपग्रहों को अन्तरिक्ष में प्रक्षेपित किया गया है। इन कृत्रिम उपग्रहों का उपयोग टेलीविजन पर कार्यक्रमों के सीधे प्रसारण करने के लिए किया जाता है। इनका उपयोग दूरसंचार में भी किया जाता है।

3. लोगों के बीच जानकारियों का आदान–प्रदान 'संचार' कहलाता है।
संचार के साधन से तात्पर्य उन साधनों से होता है, जिनसे किसी भी तरह का संचार संपन्न होता है, चाहे वह लिखित संचार हो या मौखिक संचार हो।

4. आधुनिक संचार के साधनों के दो नाम कम्प्यूटर और टेलीविजन है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

17 अध्याय

आदिमानव और उसका जीवन

क.	**1.** (a)	**2.** (a)	**3.** (b)		
ख.	**1.** आसान	**2.** फलों	**3.** कृषि	**4.** पशुओं	
ग.	**1.** (✓)	**2.** (✗)	**3.** (✗)	**4.** (✓)	**5.** (✓)
घ.	**1.** (iv)	**2.** (iii)	**3.** (ii)	**4.** (i)	

ङ. **1.** आदिमानव भोजन हेतु फल, कन्दमूल और शहद इकट्ठा करता था। वह मांस हेतु जन्तुओं का शिकार भी किया करता था। इन सबके लिए उसे औजारों की आवश्यकता थी। आदिमानव ने धीरे–धीरे नुकीले पत्थरों को हथियारों के रूप में इस्तेमाल करते हुए जन्तुओं का शिकार करना शुरू कर दिया।

2. आदिमानव मांस और कन्दमूल, फल कच्चे खाता था क्योंकि उसे आग जलाना या आग में खाना बनाना नहीं आता था। आग की खोज ने आदिमानव

की जिंदगी आरामदायक बना दी। कोई नहीं जानता है कि आग की खोज कब और कैसे हुई, परन्तु ऐसा माना जाता है कि अचानक पत्थरों को रगड़कर ही आदिमानवों ने आग को जलाना सीख लिया होगा।

3. धीरे–धीरे आदिमानव ने बीजों को एकत्र कर उनसे पौधे उगाना सीख लिया। उसने खेतों की मिट्टी को नरम करके उसमें उचित विधि से बीज बोने के लिए लकड़ी का हल बना लिया। यह कृषि का प्रारम्भ था। कृषि या खेती करने से आदिमानव के जीवन में महत्वपूर्ण परिवर्तन आए।
4. स्थायी जीवन व्यतीत करते हुए आदिमानव का ध्यान अन्य आविष्कारों की ओर गया। उसने माल ढोने के लिए स्लेज नामक गाड़ी बनायी। बाद में जब उसने गोल वस्तु को धरातल पर सरलता से लुढ़कते देखा तो लकड़ी के गोल लट्ठों के टुकड़े काट कर पहिए बनाने शुरू कर दिए इस तरह पहियों वाली पशुगाड़ी सामने आयी।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

❐❐❐

हमारा समाज-4

1 अध्याय भारत देश की भौतिक रचना

क. 1. (b) **2.** (a) **3.** (d) **4.** (b) **5.** (c) **6.** (b)

ख. 1. कन्याकुमारी **2.** मध्य **3.** पूरब **4.** एशिया **5.** पाँच

ग. 1. (✗) **2.** (✗) **3.** (✓) **4.** (✓)

घ. 1. (iii) **2.** (iv) **3.** (i) **4.** (ii) **5.** (v)

ङ. 1. हमारे देश के सुदूर उत्तर में जम्मू व कश्मीर राज्य है।

2. एशिया विश्व का सबसे बड़ा महाद्वीप है। भारत एशिया के दक्षिणी सिरे पर स्थित है। कुछ देशों की भारत के साथ राज्य–सीमा लगती है।

3. भारत का क्षेत्रफल 32,87,263 वर्ग किमी है।

4. भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान, अफगानिस्तान, नेपाल, भूटान, चीन, म्यांमार तथा बांग्लादेश हैं। श्रीलंका को दक्षिण में एक महासागर भारत से पृथक करता है।

5. हिंद महासागर का नाम हमारे देश के नाम पर रखा गया है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

2 अध्याय जलवायु

क. 1. (a) **2.** (c) **3.** (b) **4.** (c)

ख. 1. सीधी **2.** वर्षा **3.** ठण्डे **4.** वायुमण्डल **5.** नमी

ग. 1. (✗) **2.** (✓) **3.** (✗) **4.** (✗) **5.** (✓)

घ. 1. (iii) **2.** (v) **3.** (i) **4.** (ii) **5.** (iv)

ङ. 1. दोपहर के समय सूर्य की किरणें सीधी होती हैं, इसलिए उस समय तापमान अधिक होता है। अतः दोपहर को सबसे अधिक गर्मी होती है।

2. पृथ्वी को तीन कटिबन्धों में बाँटा गया है– उष्ण कटिबन्ध, शीतोष्ण कटिबन्ध, शीत कटिबन्ध।

3. जब किसी क्षेत्र में मौसम की दशाएँ बहुत लम्बे समय तक लगभग एकसमान रहती है तो उसे उस स्थान की जलवायु कहते हैं।

4. संसार की प्रत्येक घटना जिसके द्वारा हम संसार में जीवित हैं, दैनिक जीवन के क्रियाकलाप; जैसे–हमारा पहनावा, खान–पान तथा रहने का वातावरण सभी जलवायु से प्रभावित होते हैं।
5. समुद्र तट के निकट के स्थान न तो अधिक गर्म होते हैं और न अधिक ठण्डे। यहाँ सम जलवायु पाई जाती है। समुद्र के किनारे बसे होने के कारण मुम्बई, कोलकाता और चेन्नई की जलवायु सम जलवायु है क्योंकि ये समुद्र के किनारे होने के कारण यहाँ ठण्ड का कोई प्रभाव नहीं होता। समुद्र से दूर स्थित होने के कारण अमृतसर, दिल्ली, पटना और कानपुर की जलवायु विषम है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

3 अध्याय

हमारे त्योहार

क. **1.** (b) **2.** (a) **3.** (b) **4.** (b) **5.** (d)

ख. **1.** दशहरा **2.** होली **3.** गुरुपर्व **4.** रक्षाबन्धन **5.** केरल

ग. **1.** (✓) **2.** (✗) **3.** (✓) **4.** (✗) **5.** (✓)

घ. **1.** (iii) **2.** (iv) **3.** (v) **4.** (i) **5.** (ii)

ङ. **1.** स्वतन्त्रता दिवस, गणतन्त्र दिवस और गाँधी जयन्ती हमारे राष्ट्रीय त्योहार हैं।

2. होली, दशहरा, दीपावली, दुर्गा पूजा, ईद, गुरुपर्व और क्रिसमस हमारे धार्मिक त्योहार हैं।
3. त्योहार सभी के लिए खुशियाँ लाते हैं। अतः हमें सभी धर्मों के त्योहारों को मिल–जुलकर मनाना चाहिए।
4. दशहरा हिन्दुओं का एक अन्य महत्वपूर्ण त्योहार है। यह भगवान राम की लंका के राजा रावण पर विजय का प्रतीक है। यह पर्व दस दिनों तक मनाया जाता है। नौ दिनों तक रामायण से लिए गए कुछ दृश्यों का मंचन रामलीला के रूप में किया जाता है। दसवें दिन रावण, मेघनाथ और कुम्भकरण के पुतले जलाए जाते हैं। इस प्रकार यह त्योहार अच्छाई की बुराई पर विजय के रूप में मनाया जाता है।
5. हम स्वतन्त्रता दिवस हर वर्ष 15 अगस्त को मनाते हैं। इसी दिन, 1947 में, भारत को आजादी मिली थी। यह त्योहार राजधानी दिल्ली में बड़ी धूमधाम

से मनाया जाता है। इस दिन लाल किले पर देश के प्रधानमन्त्री राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं और राष्ट्र को सम्बोधित करते हैं। विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं कार्यालयों में भी ध्वजारोहण होता है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

अध्याय 4

उत्तर के पर्वतीय क्षेत्र

क. 1. (b) **2.** (a) **3.** (a) **4.** (d) **5.** (b)

ख. 1. माउण्ट एवरेस्ट **2.** हिमाचल प्रदेश **3.** शिवालिक **4.** दून

ग. 1. (✓) **2.** (✗) **3.** (✓) **4.** (✗) **5.** (✓)

घ. 1. (i) **2.** (iv) **3.** (ii) **4.** (iii)

ङ. 1. हिमाचल भारत के उत्तर-पश्चिमी भाग में स्थित है।

2. हिमालय हमारे लिए निम्न प्रकार लाभदायक है–

- इन क्षेत्रों में ताँबा, सीसा, चूना, कोयला आदि खनिज भी प्राप्त होते हैं।
- हिमालय हमारे देश की प्राकृतिक सीमा है जो विदेशी खतरों से हमारी रक्षा करती है।
- हिमालय के जंगलों से हमें लकड़ी, औषधि, जड़ी-बूटी आदि कीमती उत्पाद प्राप्त होते हैं।
- यह हमें उत्तर की ओर से आने वाली ठण्डी हवाओं से बचाता है।

3. उच्च हिमालय अथवा हिमाद्रि श्रृंखला–संसार की सबसे ऊँची चोटी माउण्ट एवरेस्ट (8848.86 मी० ऊँची) इसी भाग में है। इसके अतिरिक्त K-2 (8611 मी०), कंचनजंगा (8586 मी०), धौलागिरी (8167 मी०), नन्दादेवी (7816 मी०) इसी भाग में अन्य पर्वत श्रेणियाँ हैं। ये चोटियाँ पूरे वर्ष बर्फ से ढकी रहती हैं। इसीलिए यहाँ कोई जीव-जन्तु या वनस्पति नहीं पाई जाती है। यहाँ की बर्फ पिघलने से ही नदियों को पानी मिलता है।

मध्य हिमालय अथवा हिमाचल श्रृंखला–यह श्रृंखला हिमाद्रि तथा शिवालिक श्रृंखला के बीच स्थित है। इसकी समुद्र तल से औसत ऊँचाई 5000 मीटर है। इस श्रृंखला में अनेक खूबसूरत घाटियाँ तथा दर्रे हैं। हिमाचल श्रृंखला चीड़, देवदार आदि वृक्षों के घने जंगलों से आच्छादित हैं। यहाँ की जलवायु खेती के लिए उपयुक्त है। सर्दी के दिन ठण्डे लेकिन गर्मी के दिन

मनोरम तथा सुहावने होते हैं। इन श्रृंखलाओं के नीचे के ढालू स्थानों में सेब, आड़ू, चेरी तथा खूबानी आदि फलों के उद्योग हैं। इनके पूर्व में चाय के बागान देखने को मिलते हैं।

4. हिमाद्री की पर्वत श्रेणियों की समुद्र तल से औसत ऊँचाई 6000 मीटर है।
5. शिवालिक श्रृंखला हिमालय की सबसे नीची पर्वतमाला है। इसकी औसत ऊँचाई लगभग 1250 मी॰ है। उत्तर-पूर्व की पहाड़ियों को नागा, लुशाई, गारो, खासी तथा मिजो पर्वतमाला कहा जाता है। ये पहाड़ियाँ अधिक ऊँची नहीं हैं। इन पहाड़ियों पर घने वन मिलते हैं। मध्य और लघु हिमालय के बीच की घाटियाँ दून कहलाती हैं। देहरादून में ऐसी ही घाटियाँ हैं। इन श्रेणियों की तलहटी तराई कहलाती है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

5
अध्याय

उत्तर के मैदान

क.	**1.** (b)	**2.** (d)	**3.** (b)	**4.** (a)	**5.** (b)
ख.	**1.** स्वांगपो	**2.** यमुना	**3.** गंगा	**4.** प्रयागराज	**5.** गोमती
ग.	**1.** (✗)	**2.** (✗)	**3.** (✗)	**4.** (✗)	**5.** (✓)
घ.	**1.** (iii)	**2.** (iv)	**3.** (i)	**4.** (ii)	

ङ. 1. सिन्धु नदी, तिब्बत में स्थित कैलाश पर्वत से निकलती है। यह जम्मू एवं कश्मीर तथा पंजाब से होकर बहती है। लेकिन इसका अधिकतर हिस्सा पाकिस्तान से होकर बहता है और अन्त में यह अरब सागर में मिल जाती है। सतलुज, व्यास, रावी, चिनाब तथा झेलम आदि सिन्धु नदी की पाँच सहायक नदियाँ हैं। वे सतलुज बेसिन (Satluj Basin) भारतीय क्षेत्र में हैं। शेष सिन्धु बेसिन पाकिस्तान में हैं।

2. हरिद्वार (उत्तराखण्ड), प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) तथा वाराणसी या बनारस (उत्तर प्रदेश) महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल हैं। प्रसिद्ध कुम्भ मेला प्रति बारह वर्ष बाद प्रयागराज में लगता है। प्रयागराज में गंगा और उसकी सहायक नदी यमुना आपस में मिलती हैं। इस स्थान को संगम कहते हैं।

3. हिमालय के दक्षिण में पंजाब राज्य से लेकर असम राज्य तक विशाल समतल मैदान फैला हुआ है। इसे उत्तर का विशाल मैदान कहते हैं। यह मैदान हिमालय तथा भारत के पठारी भाग से निकलने वाली नदियों द्वारा लाई

गई उपजाऊ जलोढ़ मिट्टी से बना है। इस समतल मैदान की मिटटी बारीक कणों वाली, मुलायम, भुरभुरी तथा उपजाऊ है। यह एशिया का सबसे अधिक उपजाऊ मैदान है।

4. गंगा की बड़ी सहायक नदी यमुना इससे इलाहाबाद में मिलती है। दक्षिण की ओर यमुना चंबल, बेतवा तथा केन नदियों से मिलती है। गोमती, घाघरा, गंडक तथा कोसी, गंगा की दूसरी मुख्य बड़ी सहायक नदियाँ हैं जो इससे उत्तर की ओर से मिलती हैं।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

6 अध्याय भारत के उत्तरी मैदानी भागों का जनजीवन

क. **1.** (a) **2.** (a) **3.** (b) **4.** (b) **5.** (d)

ख. **1.** हरियाणा **2.** हिन्दी **3.** भाँगड़ा **4.** चंडीगढ़ **5.** पंजाब

ग. **1.** (✓) **2.** (✓) **3.** (✗) **4.** (✗) **5.** (✓)

घ. **1.** (iv) **2.** (i) **3.** (v) **4.** (ii) **5.** (iii)

ङ. **1.** पश्चिमी भाग के लोगों का मुख्य भोजन चावल और मछली है। बंगाल की मिठाइयाँ जैसे–रसगुल्ला, चमचम, संदेश आदि पूरे भारत में बहुत प्रसिद्ध हैं। यहाँ के पुरुष मुख्यतः धोती और कुर्ता पहनते हैं तथा स्त्रियाँ साड़ियाँ बाँधती हैं।

2. भारत में गेहूँ सबसे अधिक हरियाणा राज्य में पैदा होता है।

3. भारत के पश्चिमी भाग में जूट तथा चावल की फसलें उगाई जाती हैं।

4. पश्चिमी बंगाल के लोगों का मुख्य भोजन चावल और मछली है। बंगाल की मिठाइयाँ जैसे–रसगुल्ला, चमचम, संदेश आदि पूरे भारत में बहुत प्रसिद्ध हैं।

5. पंजाब के लोग खाने-पीने और नाच-गाने के बहुत शौकीन होते हैं। ये लोग भोजन में सरसों का साग, मक्के की रोटी, दूध, घी व लस्सी को बहुत पसन्द करते हैं। यहाँ के पुरुष मुख्यतः लुंगी (तहमत) और कुर्ता पहनते हैं।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

7 अध्याय मध्य भारत का जनजीवन

क. **1.** (a) **2.** (b) **3.** (d) **4.** (c) **5.** (a)

ख. 1. गुजरात **2.** चिलका **3.** भूसावल **4.** तेंदु **5.** रथ यात्रा

ग. 1. (✓) **2.** (✗) **3.** (✗) **4.** (✓) **5.** (✓)

घ. 1. (ii) **2.** (iv) **3.** (i) **4.** (iii)

ङ. 1. जनजातीय लोग खेती करते हैं। ये एक खेत को 2 या 3 वर्ष तक ही जोतते हैं, उसके बाद उस खेत को छोड़ देते हैं और दूसरा खेत तैयार करते हैं। इस प्रकार की खेती अस्थायी खेती कहलाती है।

2. गुजरात के पुरुषों का मुख्य पहनावा धोती-कुर्ता है। वे सिर पर गुजराती पगड़ी या गाँधी टोपी पहनते हैं। यहाँ की स्त्रियाँ अधिकतर घाघरा-चोली व सिर पर चुनरी पहनती हैं। गरबा और रास यहाँ के प्रसिद्ध नृत्य हैं। गाँधीनगर गुजरात की राजधानी है।

3. मध्य भारत के अन्तर्गत मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, ओडिसा, महाराष्ट्र और गोवा राज्यों को शामिल किया जा सकता है।

4. मुम्बई व्यापार का बहुत बड़ा केन्द्र है। यहाँ पर बन्दरगाह भी हैं। मुम्बई के निकट बॉम्बे हाई से खनिज तेल निकाला जाता है। इसी कारण यह प्रसिद्ध है।

5. ओडिसा के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि है। यहाँ के किसान मुख्य रूप से धान की खेती करते हैं। इसके अलावा पटसन, गन्ना तथा तिलहन का भी उत्पादन किया जाता है। खेती के अतिरिक्त यहाँ के बहुत-से लोग खनिज-उद्योगों व कारखानों में लगे हुए हैं। यहाँ पर लोहा, कोयला, बॉक्साइट तथा मैंगनीज के पर्याप्त भण्डार हैं। राउरकेला में इस्पात बनाने का कारखाना है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

8 अध्याय

भारत के दक्षिणी भाग का जनजीवन

क. 1. (b) **2.** (c) **3.** (b) **4.** (b) **5.** (d)

ख. 1. धान **2.** चाय **3.** महानदी **4.** केरल **5.** कर्नाटक

ग. 1. (✗) **2.** (✓) **3.** (✓) **4.** (✗) **5.** (✓)

घ. 1. (iii) **2.** (v) **3.** (iv) **4.** (ii) **5.** (i)

ङ. 1. दक्षिणी भारत के लोगों के तीन त्योहार ओणम, पोंगल, उगाड़ी हैं।

2. कर्नाटक के लोग बड़े कुशल दस्तकार हैं। ये चन्दन, रोजवुड तथा हाथीदाँत पर खुदाई का सुन्दर काम करते हैं। रेशम इस राज्य का एक अन्य महत्वपूर्ण उत्पादन है। मैसूर की रेशमी साड़ियाँ देशभर में प्रसिद्ध हैं।

3. दक्षिणी भारत में तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु, आन्ध्र प्रदेश तथा केरल शामिल हैं।
4. छत्तीसगढ़ बेसिन की दो मुख्य फसलें चावल व तिलहन हैं।
5. कथकली और मोहिनीअट्टम केरल के प्रसिद्ध शास्त्रीय नृत्य हैं। तमिलनाडु का प्रमुख लोकनृत्य भरतनाट्यम है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

9 अध्याय समुद्रतटीय मैदान और द्वीप-समूह

क. **1.** (b) **2.** (a) **3.** (b) **4.** (b) **5.** (d) **6.** (b)

ख. **1.** चौड़ा **2.** इन्दिरा छोर **3.** दक्षिण **4.** बंगाल **5.** अनूप

ग. **1.** (✗) **2.** (✓) **3.** (✓) **4.** (✓) **5.** (✓)

घ. **1.** (iii) **2.** (i) **3.** (ii) **4.** (v) **5.** (iv)

ङ. **1.** पूर्वी समुद्रतटीय मैदान को दो भागों में बाँटा जा सकता है। इसका उत्तरी भाग उत्तरी सरकार तथा दक्षिणी भाग कोरोमण्डल तट कहलाता है।
2. अण्डमान-निकोबार द्वीप-समूह के 5 द्वीपों पर लोग निवास करते हैं।
3. कोंकण तट तथा कोरोमंडल तट।
4. समुद्रतटीय मैदान की प्रमुख नदियों के नाम गंगा, महानदी, गोदावरी, कृष्णा तथा कावेरी हैं।
5. कन्याकुमारी, भारत के दक्षिणी भाग में स्थित है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

10 अध्याय मिट्टी एवं उसके प्रकार

क. **1.** (b) **2.** (a) **3.** (d) **4.** (a) **5.** (a)

ख. **1.** लोहे **2.** बलुई **3.** सदाबहार **4.** खदान **5.** कर्नाटक

ग. **1.** (✓) **2.** (✗) **3.** (✗) **4.** (✓) **5.** (✗)

घ. **1.** (iii) **2.** (i) **3.** (iv) **4.** (ii) **5.** (v)

ङ. 1. काली मिट्टी कपास तथा गन्ने की खेती के लिए सर्वाधिक उपयुक्त होती है।
2. प्रमुख खनिज निम्न हैं– कार्बनिक खनिज, धात्विक खनिज, खनिज तेल, आदि।
3. जिन प्राकृतिक चीजों का कई प्रकार से प्रयोग किया जाता है, वे संसाधन कहलाते हैं। मिट्टी, पानी, हवा, खनिज पदार्थ और पशु प्राकृतिक संसाधन हैं।
4. तेलशोधक कारखानों में खनिज तेल को तथा कारखानों में धातुओं को शुद्ध किया जाता है।
5. **पर्णपाती वन**–ये वन गर्मी के आरम्भ में अपनी पत्तियाँ गिरा देते हैं। अतः इन्हें पर्ण (पत्ता) पाती (गिराना) अर्थात् पत्ते गिराने वाले या पतझड़ वन कहते हैं। इनमें साल, सागौन, चन्दन आदि के वृक्ष उगते हैं। दक्षिणी पठार व हिमालय के निचले क्षेत्र में ये वन पाए जाते हैं।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

अध्याय 11

हमारी कृषि तथा उद्योग

क.	**1.**	(c)	**2.**	(a)	**3.**	(b)	**4.**	(d)	**5.** (d)
ख.	**1.**	गाँवों	**2.**	दो	**3.**	जूट	**4.**	तीन	**5.** जलयान
ग.	**1.**	(✓)	**2.**	(✗)	**3.**	(✓)	**4.**	(✗)	**5.** (✓)
घ.	**1.**	(iii)	**2.**	(v)	**3.**	(i)	**4.**	(ii)	**5.** (iv)

ङ. 1. सरकार कृषि को उद्योग का दर्जा देकर तथा अपने कृषि वैज्ञानिकों द्वारा कम समय व कम लागत में अच्छी फसलों के बीज तैयार करा रही है। रेडियो और टी० वी० पर खेती की नवीनतम जानकारी प्रसारित की जा रही हैं। नये-नये कृषि विद्यालय खोलकर अधिकाधिक लोगों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। इन प्रयासों से प्रत्येक साल उपज बढ़ रही है। यही हरित क्रान्ति और इसका उद्देश्य है।
2. भारत में चावल की खेती मुख्यतः उड़ीसा, आन्ध्र प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश में की जाती है।
3. पंजाब, हरियाणा, आन्ध्र प्रदेश आदि विश्व के सर्वाधिक उपजाऊ क्षेत्रों में आते हैं।
4. भारत में तीन प्रमुख प्रकार के उद्योग पाए जाते हैं; जैसे–कुटीर उद्योग, लघु उद्योग तथा वृहद या बड़े पैमाने के उद्योग।

कुटीर उद्योग–ऐसे उद्योग जिनमें लोग अपने घरों में ही विविध वस्तुओं का उत्पादन करते हैं, कुटीर उद्योग कहलाते हैं; जैसे–जूते, शॉल, कम्बल व चादरें आदि बनाना। इन्हें स्थापित करने के लिए बहुत थोड़ी पूँजी की आवश्यकता होती है।

लघु उद्योग–लघु उद्योग में कुटीर उद्योग की तुलना में अधिक लोग काम करते हैं तथा बड़ी मात्रा में उत्पादन करते हैं। फर्नीचर बनाना, होज़री, बर्तन तथा विद्युत के उपकरण बनाना आदि लघु उद्योगों के उदाहरण हैं।

वृहद उद्योग–बड़े पैमाने के उद्योगों में हजारों की संख्या में लोग काम करते हैं तथा बड़ी मात्रा में उत्पादन होता है। ऐसे उद्योग स्थापित करने के लिए बहुत बड़ी पूँजी की आवश्यकता होती है। ऐस उद्योगों के उदाहरण हैं–लोहा तथा इस्पात इकाइयाँ, उर्वरक कारखाने, कागज की मिलें, कपड़ों की मिलें, सीमेण्ट बनाने के कारखाने आदि।

5. भारत में मुख्यतः दो प्रकार की फसलें उगाई जाती हैं; जैसे– खरीफ की फसलें तथा रबी की फसलें। चावल, ज्वार, बाजरा, मक्का, जूट आदि खरीफ की फसलें हैं। ये फसलें वर्षा ऋतु में उगायी जाती हैं। गेहूँ, चना, जौ, सरसों, अलसी आदि रबी की फसलें हैं। इन्हें शीत ऋतु में बोया जाता है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

अध्याय 12

हमारे खनिज संसाधन

क. 1. (b) **2.** (b) **3.** (a) **4.** (d)

ख. 1. कच्चा **2.** ईंधन **3.** कर्नाटक **4.** प्रथम **5.** मध्य प्रदेश

ग. 1. (✗) **2.** (✓) **3.** (✓) **4.** (✗) **5.** (✓)

घ. 1. (v) **2.** (i) **3.** (ii) **4.** (iii) **5.** (iv)

ङ. 1. खनिज दो प्रकार के हैं–

1. **धात्विक खनिज–** सभी धात्विक खनिज अपने कच्चे अथवा अपरिष्कृत रूप में पाए जाते हैं जिसे अयस्क कहा जाता है। इन अयस्कों को शुद्ध करके धातुएँ प्राप्त की जाती हैं; जैसे– मैंगनीज, लौह तत्व और बॉक्साइट आदि।
2. **अधात्विक खनिज–** अधात्विक खनिज वे खनिज होते हैं जिनमें

निकालने योग्य धातुएँ उनकी रासायनिक संरचना में मौजूद नहीं होती हैं; जैसे–चूना पत्थर, जिप्सम और अभ्रक आदि।

2. भिलाई, दुर्गापुर, राउरकेला और जमशेदपुर आदि वे प्रसिद्ध स्थान हैं जहाँ बड़े–बड़े लौह–इस्पात संयन्त्र लगे हैं।
3. भूमि को खोदकर उसमें से निकाले जाने वाले पदार्थों को खनिज संसाधन कहते हैं।
4. वे अयस्क जिनसे लोहा प्राप्त होता है, लौह अयस्क कहलाता है। हमारे देश की खानों से उत्तम श्रेणी का लौह–अयस्क प्राप्त किया जाता है। लौह–अयस्क को कारखानों में शुद्ध करके तथा कुछ अन्य तत्वों को मिलाकर इस्पात तैयार किया जाता है।
5. भारत की प्रमुख कोयला खानें झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, आन्ध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश आदि राज्यों में स्थित हैं। झारखण्ड की झरिया तथा पश्चिम बंगाल की रानीगंज भारत की सबसे बड़ी कोयला खानें हैं।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

13 अध्याय

भारत की पशु सम्पदा

क.	**1.** (d)	**2.** (b)	**3.** (b)	**4.** (a)	**5.** (b)
ख.	**1.** बोझा	**2.** लाभदायक	**3.** उपयोगी	**4.** गर्म	**5.** श्वेत क्रान्ति
ग.	**1.** (✗)	**2.** (✓)	**3.** (✓)	**4.** (✗)	**5.** (✓)
घ.	**1.** (v)	**2.** (iii)	**3.** (iv)	**4.** (ii)	**5.** (i)

ङ. **1.** वन्य पशु वनों की सुन्दरता तथा पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में उपयोगी होते हैं।

2. मुर्गीपालन से अण्डे व मांस प्राप्त होता है।

3. पशु मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं– 1. वन्य पशु, 2. पालतू पशु। वन्य पशु वे हैं जो जंगलों में रहते हैं। शेर, चीता, आदि वन्य पशु हैं।
कुछ पशु हमारे लिए बहुत लाभदायक होते हैं। इन पशुओं को पाला जाता है। ऐसे पशुओं को पालतू पशु कहा जाता है। गाय, भैंस, घोड़ा आदि पालतू पशु हैं।

4. बैल, भैंसा आदि पशुओं का प्रयोग खेत जोतने, सिंचाई करने, बीज बोने, दाना निकालने व अनाज ढोने जैसे कार्यों में किया जाता है।

5. श्वेत क्रान्ति कार्यक्रम व ऑपरेशन फ्लड कार्यक्रम दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के लिए चलाया जा रहा है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

14 अध्याय

हमारे जल संसाधन

क. 1. (b) **2.** (d) **3.** (d)

ख. 1. जलाशय **2.** नहरों **3.** कृषि **4.** भाखड़ा **5.** 40

ग. 1. (✓) 2. (✗) 3. (✗) 4. (✓) **5.** (✓)

घ. 1. कुओं, रहट तथा नलकूपों की मदद से भूमिगत जल प्राप्त किया जाता है।

2. हमारे देश की लगभग 40 प्रतिशत भूमि की सिंचाई कुओं तथा नलकूपों द्वारा होती है।

3. जल का सबसे अधिक प्रयोग कृषि में सिंचाई के लिए होता है।

4. कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश तथा तमिलनाडु में सिंचाई के लिए जलाशयों का प्रयोग सामान्य रूप से देखा जा सकता है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

15 अध्याय

यातायात के साधन

क. 1. (a) **2.** (d) **3.** (b) **4.** (a)

ख. 1. ग्रांड ट्रंक **2.** मेट्रो **3.** कच्ची **4.** मुम्बई **5.** रेलगाड़ी

ग. 1. (✓) **2.** (✓) **3.** (✗) **4.** (✓) **5.** (✗)

घ. 1. (iv) **2.** (v) **3.** (ii) **4.** (i) **5.** (iii)

ङ. 1. भारत में पक्की सड़कों का जाल बिछा है। ये सड़कें भारत के सभी बड़े शहरों को आपस में जोड़ती हैं। देश के प्रमुख शहरों को आपस में जोड़ने वाली सड़कें राष्ट्रीय महामार्ग कहलाती हैं।

2. वायु परिवहन तीव्रतम परिवहन माध्यम है। वायुयान द्वारा बहुत लम्बी यात्राएँ मात्र कुछ ही घण्टों में तय की जा सकती हैं। अतः वायुयान द्वारा बहुत कम समय में लम्बी दूरियाँ तय करने के साथ ही साथ खराब होने वाले खाद्य

पदार्थों और अन्य आपातकालीन आवश्यकता की वस्तुओं को आसानी से एक स्थान से अन्य स्थान तक पहुँचाया जा सकता है।

3. हमारे देश में दो प्रकार की सड़कें पाई जाती हैं– कच्ची सड़कें तथा पक्की सड़कें। ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांशतः कच्ची सड़कें पाई जाती हैं। लेकिन अब वहाँ भी पक्की सड़कों का निर्माण किया जा रहा है। भारत में पक्की सड़कों का जाल बिछा है। ये सड़के भारत के सभी बड़े शहरों को आपस में जोड़ती हैं।

4. भारत का दक्षिणी भाग तीन ओर से समुद्र से घिरा है। भारत का समुद्री तट बहुत लम्बा है। भारत के समुद्र तट पर कई बन्दरगाह हैं। इन बन्दरगाहों पर ही जलयान आदि आकर रुकते हैं। यहीं से जलयान माल या यात्री लेकर यात्रा पर निकलते हैं। कुछ बन्दरगाहों पर दूसरे देशों के जलयान भी आते–जाते हैं। जल यातायात का प्रयोग मुख्य रूप से विदेशों से व्यापार करने में किया जाता है। कान्दला, मुम्बई, कोचीन, गोवा, चेन्नई, विशाखापट्टनम व कोलकाता आदि भारत के मुख्य बन्दरगाह हैं। इस समय भारत में लगभग 13 बड़े बन्दरगाह हैं।

5. भारतीय रेलमार्गों की कुल लम्बाई लगभग 67,956 किमी है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

16 अध्याय

संचार के साधन

क.	**1.** (a)	**2.** (b)	**3.** (b)	**4.** (d)	**5.** (c)
ख.	**1.** तार	**2.** संदेश	**3.** संचार	**4.** टेलीविजन	**5.** कम्प्यूटर
ग.	**1.** (✗)	**2.** (✓)	**3.** (✗)	**4.** (✗)	**5.** (✓)
घ.	**1.** (iii)	**2.** (v)	**3.** (ii)	**4.** (i)	**5.** (iv)

ङ. 1. जनसंचार के माध्यम को दो भागों में बाँटा जा सकता है–
छपे हुए संचार माध्यम, ऑडियो विजुअल (ध्वनि व दृश्य संचार माध्यम)।

2. **छपे हुए संचार माध्यम–**समाचार–पत्र जनसंचार का एक माध्यम है। ऐसे संचार साधन जो एक ही समय में लोगों के बहुत बड़े समूह को संदेश या समाचार प्रदान करते हैं, जनसंचार के साधन कहलाते हैं।

3. **डाक–**डाक संचार का बहुत पुराना साधन है। संदेश, बधाई, सूचना आदि पत्रों, कार्डों द्वारा भेजे जाते हैं। हम संदेश को लिफाफे, पोस्टकार्ड आदि पर

लिखकर लैटर बॉक्स में डाल देते हैं। यहाँ से डाक कर्मचारी इन्हें ले जाता है और डाकखाने में पतों के अनुसार छँटाई करके पत्रों को उन पर लिखे पते के अनुसार भेज दिया जाता है।

फैक्स–यह टेलीफोन से जुड़ी हुई संचार सुविधा है। इसमें कागज पर संदेश लिखकर फैक्स मशीन में डाल दिया जाता है और इच्छित नम्बर मिलाया जाता है। तब उस नम्बर पर रखी फैक्स मशीन में से उसी संदेश की छपी हुई कापी निकल जाती है।

4. आजकल मोबाइल फोन भी उपलब्ध हैं। ये फोन किसी टेलीफोन लाइन से नहीं जुड़े होते हैं। इन्हें हम अपने साथ रख सकते हैं तथा कहीं से भी, किसी से भी तथा कहीं पर भी सीधे बात कर सकते हैं।

5. **टेलीफोन**–टेलीफोन संचार का तीव्रतम साधन है। इसके द्वारा हम कितनी भी दूरी पर स्थित शहर में रहने वाले व्यक्ति से सीधे बातचीत कर सकते हैं। हम देश-विदेश में रहने वाले लोगों से एस.टी.डी. तथा आई.एस.डी. द्वारा तुरन्त बातें कर सकते हैं।

इण्टरनेट–यह कम्प्यूटर से जुड़ी सर्वाधुनिक संचार सुविधा है। इसके द्वारा किसी भी क्षेत्र की कोई भी जानकारी कुछ ही क्षणों में प्राप्त की जा सकती है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

17 अध्याय

हमारी सरकार

क. 1. (b) **2.** (b) **3.** (d) **4.** (b) **5.** (a)

ख. 1. विशाल **2.** न्यायपालिका **3.** राज्यपाल **4.** राज्यपाल **5.** राष्ट्रपति

ग. 1. (✓) **2.** (✓) **3.** (✓) **4.** (✓) **5.** (✓)

घ. 1. (ii) **2.** (i) **3.** (v) **4.** (iii) **5.** (iv)

ङ. 1. संसद के दो प्रमुख सदन हैं– निम्न सदन या लोकसभा तथा उच्च सदन या राज्यसभा।

2. जिस दल को लोकसभा में बहुमत प्राप्त होता है, उसके नेता को राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमन्त्री नियुक्त किया जाता है। अगर किसी भी एक दल को बहुमत प्राप्त नहीं होता है, तो राष्ट्रपति ऐसे दल के नेता को प्रधानमन्त्री नियुक्त करता है जो दूसरे दलों की सहायता से सरकार बना सके और सदन में अपना बहुमत

सिद्ध कर सके। प्रधानमन्त्री और अन्य मन्त्रियों को मिलाकर मन्त्रिमण्डल बनता है। यह मन्त्रिमण्डल ही देश का शासन चलाता है। मन्त्री संसद के सदस्य होते हैं, इसलिए वे संसद के प्रति उत्तरदायी होते हैं।

3. सर्वोच्च न्यायालय दिल्ली में स्थित है।

4. भारत में 28 राज्य तथा 8 केन्द्रशासित प्रदेश हैं।

5. राष्ट्रपति का चुनाव लोकसभा, राज्यसभा और राज्यों की विधान सभाओं के सदस्य करते हैं। राष्ट्रपति का चुनाव पाँच वर्ष के लिए होता है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

18 अध्याय

हमारे मूल अधिकार और कर्त्तव्य

क. 1. (a) **2.** (a) **3.** (b)

ख. 1. समाजवाद **2.** सच्चे, आदर्श **3.** योग्यता **4.** राष्ट्रध्वज, राष्ट्रगान

ग. 1. (✓) **2.** (✗) **3.** (✗) **4.** (✓) **5.** (✓)

घ. 1. संविधान द्वारा दिए गए सभी अधिकार मूल–अधिकार कहलाते हैं।

- संविधान द्वारा दिए गए अधिकारों में मत देने का अधिकार सबसे महत्वपूर्ण है। प्रत्येक भारतीय नागरिक, जिसकी आयु 18 वर्ष या उससे अधिक हो, को मत देने का अधिकार है।
- दूसरा महत्वपूर्ण अधिकार स्वतन्त्रता का अधिकार है। इस अधिकार के अनुसार प्रत्येक नागरिक को अपने विचार प्रकट करने की स्वतन्त्रता है। प्रत्येक भारतीय नागरिक को किसी भी प्रदेश में बसने की पूरी स्वतन्त्रता है। प्रत्येक नागरिक सम्पूर्ण देश में बिना रोक–टोक के कहीं भी आ–जा सकता है। उसे कोई भी व्यवसाय अपनाने की पूर्ण स्वतन्त्रता होती है।
- हमारे संविधान के अनुसार देश के सभी नागरिकों को समानता का अधिकार भी दिया गया है। इसके अनुसार सभी नागरिक समान हैं। रंग, जाति और लिंग के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जा सकता है। धनी तथा निर्धन सबको उन्नति करने का समान अधिकार है। सभी बालकों को शिक्षा प्राप्त करने का समान अधिकार प्राप्त है। प्रत्येक नागरिक अपनी योग्यता के अनुसार कोई भी सरकारी पद प्राप्त कर सकता है।
- शोषण के विरुद्ध अधिकार के अनुसार 14 वर्ष से कम आयु के बालकों

को काम पर नहीं लगाया जा सकता है। किसी से भी जबरदस्ती काम नहीं करवाया जा सकता है।

2. हमें यह याद रखना चाहिए कि अधिकारों के साथ-साथ संविधान में नागरिकों के कर्त्तव्यों का भी उल्लेख है। ये कर्त्तव्य मूल-कर्त्तव्य कहलाते हैं।
संविधान के अनुसार देश के नियमों और कानूनों का पालन करना हमारा प्रथम कर्त्तव्य है। समय पड़ने पर हमें देश की रक्षा करनी चाहिए। राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करना हमारा कर्त्तव्य है। हमें अपनी सम्पत्ति जैसे- स्कूल, सड़कें, अस्पताल, ऐतिहासिक स्मारक आदि की सुरक्षा करनी चाहिए। हमें अपने कर ईमानदारी से चुकाने चाहिए।
3. हमारे प्रमुख राष्ट्रीय उद्देश्य लोकतन्त्र, समाजवाद और धर्म-निरपेक्षता हैं।
4. संविधान की प्रस्तावना को पढ़ने से तीन बातें बिल्कुल स्पष्ट हो जाती हैं- प्रथम, भारत के लोग अपनी सरकार का चुनाव स्वयं करेंगे अर्थात् जनता द्वारा चुने हुए प्रतिनिधि ही देश की सरकार चलाएँगे। ऐसी शासन प्रणाली को लोकतन्त्र कहते हैं। जनता द्वारा बनाई गई सरकार को लोकतन्त्रीय सरकार कहते हैं।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

अध्याय 19

पर्यावरण एवं प्रदूषण

क. **1.** (b) **2.** (a) **3.** (c) **4.** (b) **5.** (c)

ख. **1.** कूड़ा-करकट **2.** पीने **3.** प्रदूषक
4. शोर **5.** हानिकारक

ग. **1.** (✓) **2.** (✗) **3.** (✓) **4.** (✓) **5.** (✗)

घ. **1.** (iv) **2.** (i) **3.** (ii) **4.** (iii)

ङ. **1.** प्रदूषण का अर्थ-विकास और व्यवस्थित जीवन-क्रम के लिए जीवधारियों को एक सन्तुलित वातावरण की आवश्यकता होती है। सन्तुलित वातावरण में प्रत्येक घटक एक निश्चित मात्रा में उपस्थित रहते हैं। कभी-कभी वातावरण में एक अथवा अनेक घटकों की मात्रा कम अथवा अधिक हो जाती है अर्थात् वातावरण में बहुत से हानिकारक घटकों का प्रवेश हो जाता है। अर्थात् वातावरण दूषित हो जाता है, जो जीवधारियों के लिए किसी-न-किसी रूप में हानिकारक सिद्ध होता है, इसे ही प्रदूषण कहते हैं।

2. वे चीजें जो पर्यावरण को प्रदूषित करती हैं, प्रदूषक कहलाती हैं। प्रदूषक ठोस, तरल अथवा गैसीय रूप में हो सकते हैं।
3. प्रदूषण अनेक प्रकार के होते हैं जो हमारे जीवन को खतरे में डाल सकते हैं। इनमें कुछ हैं–
   - वायु प्रदूषण
   - जल प्रदूषण
   - ध्वनि प्रदूषण
4. **ध्वनि प्रदूषण के स्वास्थ्य पर प्रभाव**–
   - ध्वनि प्रदूषण नींद भी खराब कर सकता है, इससे कार्य क्षमता कम होती है।
   - सरदर्द ध्वनि प्रदूषण का एक आम दुष्प्रभाव है।
   - अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण अस्थाई अथवा स्थाई बहरापन ला सकता है।
5. **वायु प्रदूषण के कारण**–वायु अनेक कार्यकलापों से प्रदूषित होती है–
   - **ईंधनों का दहन**–वायु पेट्रोल, कोयला, डीजल, मिट्टी का तेल आदि ईंधनों के दहन से भी प्रदूषित होता है। वाहनों से निकलने वाले रासायनिक अपशिष्ट वायु के साथ मिश्रित हो, उसे अशुद्ध करते हैं।
   - **धूल**–धूलभरी आँधी जैसी प्राकृतिक दृश्य घटनाएँ भी वायु प्रदूषण को जन्म देती हैं। ऐसे आँधी-तूफान वाले मौसम में हवा तेजी से मिट्टी उड़ा ले जाती है। इस धूल में रोगाणु होते हैं जो वायु में मिलकर उसे भी रोगकारी बना देते हैं।
   - **औद्योगीकरण**–कारखाने एवं उद्योग हानिकारक गैसें धूल, धुआँ, कालिख आदि छोड़ते हैं। ये पदार्थ वायु के साथ मिलकर उसे प्रदूषित करते हैं अर्थात् उसे अशुद्ध करते हैं।
   - **निर्वनीकरण**–दावानल या जंगल की आग से ढेरों धुआँ उत्पन्न होता है जो वायु को प्रदूषित करता है। वन क्षेत्र के कम होने से वायु में ऑक्सीजन की मात्रा भी घट जाती है।
   - **कूड़ा-करकट**–सड़क पर पड़ा कूड़ा-करकट स्वयं वायु को प्रदूषित करता है क्योंकि वह दुर्गन्ध उत्पन्न करता है। अपशिष्ट निपटान की एक प्रक्रिया जलाकर भी होती है। अतः जब ऐसे कूड़े-करकट को जलाया जाता है तो ढेर-सा धुआँ उत्पन्न होता है। इस प्रकार वायु प्रदूषित हो जाती है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

❐❐❐

1 अध्याय

पृथ्वी की प्रतिकृति : ग्लोब

क. **1.** (a) **2.** (d) **3.** (b) **4.** (a)
5. (a) **6.** (b)

ख. **1.** विषुवत् **2.** ध्रुव **3.** नमूना **4.** देशान्तर **5.** भूगोल

ग. **1.** (✗) **2.** (✓) **3.** (✓) **4.** (✗) **5.** (✓)

घ. **1.** (iii) **2.** (v) **3.** (i) **4.** (ii) **5.** (iv)

ङ. **1.** अक्षांश तथा देशान्तर रेखाएँ ग्लोब पर स्थित दो काल्पनिक रेखाएँ हैं। पूरा वृत्त बनाती हुई पूर्व से पश्चिम की ओर जाने वाली क्षैतिज रेखाएँ अक्षांश रेखाएँ कहलाती हैं। उत्तर से दक्षिण की ओर जाने वाली दूसरी अर्धवृत्त लम्बवत रेखाएँ देशान्तर रेखाएँ कहलाती हैं।

2. हम ग्लोब का उपयोग निम्न के लिए करते हैं–

- ग्लोब रात और दिन की उपस्थिति को समझने में सहायता करता है।
- ग्लोब भूगोल का अध्ययन करने में सहायता करता है।
- ग्लोब आकाश में विमान चालक (Pilot) तथा समुद्र में नाविक (Sailor) को उनके मार्गों के बारे में जानकारी देने में सहायता करता है।

3. **अक्षांश**–भूमध्य रेखा के समानान्तर जाने वाली काल्पनिक रेखाएँ (वृत्त) अक्षांश कहलाती हैं। अक्षांश रेखाओं द्वारा हमें यह जानकारी मिलती है कि भूमध्य रेखा से हम कितने डिग्री 'उत्तर या दक्षिण' में हैं।

4. अक्षांश तथा देशान्तर रेखाएँ एक-दूसरे को 90° के कोण पर काटती हैं। इस तरह ग्लोब पर इन रेखाओं का एक जाल बन जाता है जिसे ग्रिड (Grid) कहते हैं। ग्रिड की सहायता से हम ग्लोब पर किसी भी स्थान की स्थिति का आसानी से पता कर सकते हैं। ग्लोब पर किसी स्थान को अंकित करने के लिए हमें उस स्थान की अक्षांश व देशान्तर रेखा का ज्ञान होना चाहिए। जिस स्थान पर भी अक्षांश व देशान्तर एक-दूसरे को काटते हैं, वह स्थान वहाँ स्थित होगा।

उदाहरण के लिए, हम जानते हैं कि 'दिल्ली' का अक्षांश लगभग 28° उत्तर तथा देशान्तर लगभग 77° पूर्व है। (सही स्थिति क्रमशः 28°38' उत्तर तथा

77°12' पूर्व है)। हम ग्लोब पर किसी बिन्दु का आसानी से पता कर सकते हैं अर्थात् जहाँ ये दोनों रेखाएँ एक-दूसरे को काटती हैं। यह कटान बिन्दु ही दिल्ली की वास्तविक स्थिति होगी।

5. ग्लोब पृथ्वी का छोटा-सा नमूना होता है। इसमें पृथ्वी के जलीय व भूमि वाले भागों को अलग-अलग रंगों से दिखाया जाता है। अन्य भौगोलिक स्थितियों अथवा स्थानों को भी अलग-अलग संकेतों, रेखाओं से प्रदर्शित किया जाता है। जिस प्रकार पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती है, उसी प्रकार ग्लोब को भी घुमाया जा सकता है। बड़े ग्लोब को एक स्थान से दूसरे स्थान पर आसानी से नहीं ले जाया जा सकता है; परन्तु आजकल पॉकेट में रखने वाले छोटे ग्लोब तथा गुब्बारे जैसे ग्लोब भी बनने लगे हैं जिन्हें आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा सकता है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

अध्याय 2

मानचित्र तथा उनका उपयोग

क. **1.** (d) **2.** (b) **3.** (a) **4.** (d)

ख. **1.** मानचित्र **2.** एटलस **3.** हरे **4.** उत्तर **5.** कुंजी

ग. **1.** (✓) **2.** (✗) **3.** (✓) **4.** (✓) **5.** (✓)

घ. **1.** एक निर्धारित पैमाने के आधार पर पृथ्वी के किसी भाग अथवा संरचना को किसी 'समतल सतह' पर प्रदर्शित करने के उद्देश्य से बनाई गई आकृति को मानचित्र कहते हैं। 'मानचित्र' ग्लोब से भी अधिक उपयोगी होता है।

2. ग्लोब हमारे लिए बहुत उपयोगी होते हैं, परन्तु इनको एक स्थान से दूसरे स्थान तक लाने व ले जाने में असुविधा होती है। किसी छोटे-से क्षेत्र अथवा नगर की जानकारी के लिए बहुत बड़ा ग्लोब बनाना पड़ेगा, जो अव्यावहारिक होगा। इसीलिए ग्लोब के स्थान पर मानचित्र का प्रयोग किया जाता है।

एक निर्धारित पैमाने के आधार पर पृथ्वी के किसी भाग अथवा संरचना को किसी 'समतल सतह' पर प्रदर्शित करने के उद्देश्य से बनाई गई आकृति को मानचित्र कहते हैं। 'मानचित्र' ग्लोब से भी अधिक उपयोगी होता है। इसमें हम पूरी दुनिया से लेकर अपनी कक्षा तक को प्रदर्शित कर सकते हैं। मानचित्रों को आसानी से लाया व ले जाया जा सकता है। इसे पाठ्य-पुस्तकों में अन्य पन्नों के साथ छापा जा सकता है।

3. मानचित्र कई प्रकार के होते हैं। कुछ मानचित्र, जिनमें विश्व के देशों अथवा उनके राज्यों की सीमाएँ प्रदर्शित की जाती हैं, राजनैतिक मानचित्र कहलाते हैं। ऐसे मानचित्र, जिनमें भौगोलिक क्षेत्र, पठार, पर्वत, नदी, मैदान, सागर, महाद्वीप आदि प्रदर्शित किए जाते हैं, प्राकृतिक मानचित्र कहलाते हैं। इसके अतिरिक्त जलवायु क्षेत्र, वन, अन्तर्राष्ट्रीय मार्ग, उद्योग-धन्धे, खनिज, कृषि उपज आदि को प्रदर्शित करने के लिए भी मानचित्रों का निर्माण किया जाता है।
4. **पैमाना**–मानचित्र बनाने के लिए एक पैमाना निर्धारित करना आवश्यक होता है। मानचित्र में प्रदर्शित सभी आकृतियों का निर्माण इसी पैमाने के आधार पर किया जाता है। प्रश्न यह उठता है कि हमें पैमाने की आवश्यकता क्यों पड़ती है? मान लीजिए, हमें किसी विद्यालय का मानचित्र बनाना है, जिसकी लम्बाई 200 मीटर तथा चौड़ाई 100 मीटर है। ऐसी स्थिति में हम 100 मीटर चौड़ा तथा 200 मीटर लम्बा मानचित्र तो बना नहीं सकते। अतः इतने बड़े क्षेत्र को छोटे-से स्थान पर प्रदर्शित करें तो विद्यालय की लम्बाई को 20 सेंटीमीटर (200 मी. = 20 सेमी.) और चौड़ाई को 10 सेंटीमीटर (100 मी. = 10 सेमी.) में प्रदर्शित कर सकते हैं। इस प्रकार उपरोक्त विद्यालय के मानचित्र का पैमाना 1 सेंटीमीटर = 10 मीटर निर्धारित होगा।
5. **संकेत**–मानचित्र में विभिन्न विशेषताओं को दर्शाने के लिए भिन्न-भिन्न संकेत तथा चिह्नों जैसे–बिन्दु, रेखा, वर्ग, त्रिकोण तथा ग्रिड का प्रयोग किया जाता है। इनमें से कुछ संकेत अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रयोग किए जाते हैं जिन्हें परम्परागत संकेत (Conventional Symbols) कहते हैं। कुछ महत्वपूर्ण परम्परागत संकेत आगे दिए गए हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय सीमा	----------	राजधानी नगर	⊙
राज्य की सीमा	- - - - - -	शहर	○
जिले की सीमा	- - - - - - - -	मन्दिर	
संकरी रेलवे लाइन		पुल	
चौड़ी रेलवे लाइन		नदी	
पक्की सड़क		चर्च	
कच्ची सड़क		मस्जिद	

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

जलवायु में विविधता

क. 1. (b) **2.** (b) **3.** (a)

ख. 1. उष्ण **2.** औसत **3.** सीधी **4.** शीतोष्ण **5.** आर्द्रता

ग. 1. (✓) **2.** (✗) **3.** (✓) **4.** (✓) **5.** (✓)

घ. 1. (ii) **2.** (v) **3.** (iv) **4.** (i) **5.** (iii)

ङ. 1. पृथ्वी पर सूर्य से प्राप्त होने वाली गर्मी के आधार पर, पृथ्वी को निम्नलिखित तीन तापमान वाले क्षेत्रों में वर्गीकृत कर सकते हैं–

(क) उष्ण कटिबन्ध (उष्ण प्रदेश)–कर्क रेखा तथा मकर रेखा के क्षेत्र को उष्ण कटिबन्ध या उष्ण प्रदेश कहते हैं। यह पृथ्वी का सबसे गर्म भाग होता है।

(ख) शीत कटिबन्ध (शीत प्रदेश)–ध्रुवों के निकट स्थित क्षेत्र अर्थात् उत्तरी गोलार्द्ध में अण्टार्कटिक वृत्त तथा उत्तरी ध्रुव के बीच का क्षेत्र और दक्षिणी गोलार्द्ध में अण्टार्कटिक वृत्त तथा दक्षिणी ध्रुव के बीच का क्षेत्र शीत कटिबन्ध या शीत प्रदेश कहलाता है।

(ग) शीतोष्ण कटिबन्ध (शीतोष्ण प्रदेश)–दोनों गोलार्द्धों में, उष्ण कटिबन्ध तथा शीत कटिबन्ध के मध्य स्थित क्षेत्र में न अधिक गर्मी होती है और न अधिक ठण्ड। अतः ये क्षेत्र शीतोष्ण कटिबन्ध कहलाते हैं।

2. समुद्र के निकट स्थित स्थानों की जलवायु औसत बनी रहती है। इन क्षेत्रों में गर्मियों में न तो अधिक गर्मी और न ही सर्दियों में अधिक ठण्ड पड़ती है। इसके विपरीत समुद्रतट से दूर स्थित स्थानों की जलवायु विषम होती है, अर्थात् गर्मियों में अधिक गर्म तथा सर्दियों में अधिक ठण्ड। तटवर्ती क्षेत्रों की जलवायु सदैव समुद्र द्वारा प्रभावित रहती है; उदाहरणार्थ– मुम्बई समुद्रतट के निकट स्थित है जबकि दिल्ली बहुत दूर स्थित है। हम जानते हैं कि दिल्ली की अपेक्षा मुम्बई में गर्मियाँ, ठण्डी और सर्दियाँ, कम होती हैं।

3. प्रातः और संध्या को सूर्य की किरणें तिरछी होती हैं, जिससे वे अधिक क्षेत्र पर पड़ती हैं, इसलिए परछाई लम्बी बनती है। इस समय सूर्य की किरणें पृथ्वी के अधिक भाग को गर्म करती हैं। इससे वह भाग कम गरम हो पाता है। दोपहर को हमारी परछाई छोटी बनती है। इस समय सूर्य की किरणें पृथ्वी पर सीधी पड़ती हैं। अतः ये पृथ्वी के कम भाग पर पड़ती हैं, जिससे वे कम भाग को गर्म करती हैं। इससे वह भाग अधिक गर्म हो जाता है।

4. वायु में उपस्थित नमी या जलवाष्प की मात्रा आर्द्रता कहलाती है। समुद्र या महासागर की ओर से आने वाली पवनें वायु में आर्द्रता (नमी) की मात्रा को बढ़ा देती हैं। किसी स्थान पर होने वाली वर्षा की मात्रा तथा वर्षा का वार्षिक वितरण उस स्थान की जलवायु की दशाओं पर अत्यधिक प्रभाव डालता है।
5. भूमध्य रेखा तथा निकट पूर्वी क्षेत्रों में सूर्य की किरणें सीधी पड़ती हैं। इसके विपरीत भूमध्य रेखा से दूर स्थित क्षेत्रों में सूर्य की किरणें तिरछी पड़ती हैं। सूर्य की किरणें भूमध्य रेखा के निकट के कम क्षेत्रों पर तथा सीधी पड़ती हैं। अतः ये क्षेत्र वर्ष भर गर्म रहते हैं। इसके विपरीत भूमध्य रेखा से दूर सूर्य की किरणें विशाल क्षेत्र पर तथा तिरछी पड़ती हैं। अतः इन क्षेत्रों में तापमान कम रहता है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

4 अध्याय

प्रायद्वीपीय पठार

क. **1.** (a) **2.** (a) **3.** (d) **4.** (a)

ख. **1.** विन्ध्याचल **2.** त्रिभुजाकार **3.** खनिजों **4.** छोटा नागपुर **5.** कृष्णा

ग. **1.** (✓) **2.** (✗) **3.** (✗) **4.** (✓) **5.** (✗)

घ. **1.** (ii) **2.** (v) **3.** (i) **4.** (iii) **5.** (iv)

ङ. **1.** पश्चिमी घाट पश्चिम की ओर तथा पूरब की ओर पूर्वी घाट है। पूर्वी घाट की ऊँचाई पश्चिमी घाट की ऊँचाई से कम है और यह पश्चिमी घाट की तुलना में समुद्र तट से अधिक दूर स्थित है। पश्चिमी घाट तथा पूर्वी घाट दक्षिण में नीलगिरी पर्वत से मिल जाते हैं।

2. भारत का पठारी क्षेत्र बहुत विस्तृत है। इस क्षेत्र में भूमि की बनावट तथा मिट्टी में स्थान-स्थान पर अन्तर पाया जाता है। सम्पूर्ण पठारी क्षेत्र को चार भागों में बाँटा जा सकता है– उत्तर-पूर्वी पठार, उत्तर-पश्चिमी पठार, मध्य पठार, दक्षिणी पठार।

3. भारत के पठारी भाग के उत्तर में विन्ध्याचल की पहाड़ियाँ तथा दक्षिण में सतपुड़ा की पहाड़ियाँ हैं। अरावली और विन्ध्याचल की पहाड़ियों के बीच का भाग मालवा का पठार कहलाता है। भारत के पठारी क्षेत्र का उत्तर-पूर्वी भाग छोटा नागपुर का पठार कहलाता है।

4. उत्तर की मैदानी नदियों और प्रायद्वीपीय नदियों में विशेष अन्तर पाया जाता है। मैदानी नदियाँ चूँकि हिमालय से निकलती हैं। अतः उनमें वर्ष भर बर्फ के पिघलने और वर्षा दोनों के द्वारा जल की आपूर्ति बनी रहती है। इसके विपरीत प्रायद्वीपीय नदियाँ केवल वर्षा पर ही आश्रित रहती हैं। इसीलिए अनेक प्रायद्वीपीय नदियाँ गर्मी के दिनों में सूख भी जाती हैं। दक्षिण के पठार की भूमि पथरीली तथा ऊँची-नीची है। इस पठारी क्षेत्र में अनेक नदियाँ बहती हैं। इस क्षेत्र की प्रमुख नदियाँ चम्बल, बेतवा, नर्मदा, ताप्ती, महानदी, तुंगभद्रा, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी, पेनार आदि हैं। नर्मदा और ताप्ती वे नदियाँ हैं, जो पश्चिम की ओर बहती हैं और अरब सागर में गिरती हैं।

भारत का पठारी क्षेत्र बहुत विस्तृत है। इस क्षेत्र में भूमि की बनावट तथा मिट्टी में स्थान-स्थान पर अन्तर पाया जाता है। सम्पूर्ण पठारी क्षेत्र को चार भागों में बाँटा जा सकता है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

मरूस्थलीय क्षेत्र : सऊदी अरब

क. **1.** (b) **2.** (b) **3.** (a) **4.** (a)
5. (b) **6.** (a)

ख. **1.** द्रव सोना **2.** चरवाहें **3.** टिब्बे **4.** बन्दरगाह **5.** टेंकर

ग. **1.** (✗) **2.** (✓) **3.** (✗) **4.** (✓) **5.** (✗)

घ. **1.** (ii) **2.** (i) **3.** (v) **4.** (iii) **5.** (iv)

ङ. **1.** सऊदी अरब की भूमि अधिकतर वनस्पति रहित होती है। शुष्क क्षेत्र होने के कारण यहाँ बहुत कम पौधे उगते हैं। अधिकांश मरुस्थलीय पौधे लम्बी जड़ों वाले होते हैं। ये जड़ें पानी की तलाश में भूमि में गहराई तक चली जाती हैं। लोग भोज्य फसलें; जैसे- गेहूँ, ज्वार, बाजरा, फल तथा सब्जियाँ उगाते हैं। खजूर के पेड़ यहाँ बहुतायत में उगते हैं।

2. मक्का और मदीना सऊदी अरब में स्थित है।

3. **जलवायु**-ग्रीष्म ऋतु में सऊदी अरब में बहुत गर्मी पड़ती है। तेज आँधी से तापमान अधिक हो जाता है। कभी-कभी ये आँधियाँ बहुत तीव्र गति से चलती हैं। दिन के समय मरुस्थल का रेत बहुत गर्म हो जाता है। ग्रीष्म ऋतु

में रातें ठण्डी होती हैं। यहाँ वर्षा बहुत ही कम होती है। यहाँ पर कुछ पर्वतीय स्थान भी हैं, जो गर्मी में ठण्डे रहते हैं। आभा एक ऐसा ही पर्वतीय स्थान है।

4. ऊँट बिना भोजन तथा पानी के कई दिनों तक जीवित रह सकता है। मरुस्थल के लोग यातायात के लिए ऊँट का उपयोग करते हैं। ऊँट को रेगिस्तान का जहाज या मरुस्थल का जहाज भी कहते हैं।
5. मरुद्यान रेगिस्तान में एक उपजाऊ क्षेत्र होता है, जहाँ पानी मौजूद होता है, उसे मरुद्यान कहते हैं। इन मरुद्यानों के आस–पास लोग स्थाई रूप से बस जाते हैं तथा गेहूँ, जौ, खजूर आदि की खेती करते हैं।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

अध्याय 6

शीतोष्ण घास के मैदान

क.	**1.** (b)	**2.** (b)	**3.** (b)	**4.** (a)	**5.** (d)
ख.	**1.** फ्रेन्च	**2.** मिसीसिपी	**3.** अल्फाल्फा	**4.** शिकागो	**5.** स्टेपी
ग.	**1.** (✓)	**2.** (✗)	**3.** (✓)	**4.** (✓)	**5.** (✗)
घ.	**1.** (v)	**2.** (i)	**3.** (iv)	**4.** (iii)	**5.** (ii)

ङ. 1. शीतोष्ण घास की भूमि उपजाऊ है। कुछ खेत तो हजारों एकड़ में फैले हुए हैं। उनमें गेहूँ, जौ, राई, सन, जई इत्यादि उगाए जाते हैं। यहाँ के किसान अपने लिए ही नहीं बल्कि दूसरे देशों को निर्यात करने के लिए भी बहुत सारा गेहूँ उगाते हैं।

2. प्रेयरी के खेत तो हजारों एकड़ में फैले हुए हैं। उनमें गेहूँ, जौ, राई, सन, जई इत्यादि उगाए जाते हैं। यहाँ के किसान अपने लिए ही नहीं बल्कि दूसरे देशों को निर्यात करने के लिए भी बहुत सारा गेहूँ उगाते हैं। इसलिए कुछ लोग इन मैदानों को 'विश्व का गेहूँ भण्डार' कहते हैं।
3. जिन क्षेत्रों में वर्षा की कमी के कारण भूमि कम उपजाऊ है। उन क्षेत्रों में पशुपालन बड़े पैमाने पर किया जाता है। पशुओं पर आधारित डेयरी व्यवसाय इन क्षेत्रों में बहुत विकसित हैं। इन डेयरी फार्मों में गाय, भैसों का दूध निकालने के लिए भी मशीनों का प्रयोग किया जाता है। पशुओं के दूध पर आधारित व्यवसाय जैसे– मक्खन बनाना, पनीर बनाना आदि यहाँ पर बहुत विकसित हैं। मांस उद्योग भी यहाँ पर बहुत विकसित है। पशुओं से मांस प्राप्त

करने के लिए आधुनिक तरह के बूचड़ खाने जगह-जगह बने हुए हैं। इन मैदानों को रेंज कहते हैं।

4. शीतोष्ण कटिबन्ध में स्थित होने के कारण इन मैदानों में गर्मी की ऋतु में काफी गर्मी पड़ती है और ठण्ड भी खूब पड़ती है। सर्दी की ऋतु में हिमपात भी होता है। वर्षा सामान्य ही होती है। अधिकांश वर्षा सर्दियों के अंत में अर्थात् बसन्त ऋतु में होती है, परन्तु इन प्रदेशों में वृक्षों के पनपने लायक वर्षा का अभाव रहता है।
5. शीतोष्ण घास के मैदानी क्षेत्रों का चारागाह के अलावा रेंचों में बड़े-बड़े डेयरी फार्म बनाए गए हैं जिनमें गायों की उत्तम नस्लों को वैज्ञानिक ढंग से पाला जाता है। दूध निकालने, दूध से अन्य पदार्थ बनाने और उनके संरक्षण के लिए मशीनों का प्रयोग होता है। गायों को यहाँ दूध तथा उससे बनने वाले अन्य उत्पादों के साथ-साथ मांस के लिए भी पाला जाता है। अमेरिका के लोग गाय का मांस बड़े चाव से खाते हैं। मांस प्राप्त करने के लिए इन डेयरी फार्मों से गायों को उन नगरों को भेजा जाता है, जहाँ उनको बड़ी संख्या में एक साथ काटे जाने का प्रबन्ध है। पशुओं को काटने का सबसे बड़ा बूचड़ खाना शिकागो में स्थित है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

अध्याय 7

ग्रीनलैण्ड : बर्फ का प्रदेश

क. **1.** (a) **2.** (d) **3.** (d) **4.** (b) **5.** (a)

ख. **1.** नुक **2.** टुण्ड्रा **3.** 21,75,600 **4.** डेनमार्क **5.** एस्किमो

ग. **1.** (✓) **2.** (✗) **3.** (✓) **4.** (✓) **5.** (✗)

घ. **1.** (ii) **2.** (i) **3.** (v) **4.** (iii) **5.** (iv)

ङ. **1.** **जलवायु**–अत्यधिक ठण्ड के कारण यहाँ पौधे पनप नहीं पाते और गल जाते हैं। अतः सर्दियों में यहाँ कोई वनस्पति नहीं उगती है। कुछ वनस्पति (घास एवं फूल वाले पौधे) गर्मियों में उग आती हैं। इसके अलावा समुद्र तटीय क्षेत्रों में झाड़ियाँ भी उग आती हैं। लिचेन नामक बारीक व मुलायम घास यहाँ प्रमुखता से उगती है। यह घास आर्कटिक क्षेत्र के जानवरों के खाने के काम आती है।

वनस्पति–यद्यपि इस प्रायद्वीप को ग्रीनलैण्ड कहते हैं, परन्तु इस पर कुछ भी ग्रीन (हरा) नहीं है। लगभग 90 प्रतिशत क्षेत्र पूरे वर्ष बर्फ से ढका रहता है। कुछ प्राकृतिक पौधे यहाँ उगते हैं। लाइकेन तथा एक विशेष प्रकार की काई यहाँ के प्रमुख पौधे हैं। ये पौधे छोटे होते हैं। इनकी लम्बाई 15 सेमी० से अधिक नहीं होती। ये जन्तुओं के लिए भोजन का स्त्रोत हैं।

2. यूरोप के एक देश डेनमार्क ने वर्ष 1953 में ग्रीनलैण्ड पर अधिकार कर लिया तथापि इसके निवासियों के जीवन स्तर को सुधारा। वर्ष 1979 में ग्रीनलैण्ड डेनमार्क के अधिकार से आजाद हो गया। लगातार उन्नति करते-करते अब ग्रीनलैण्ड के लोगों का जीवन बहुत आधुनिक हो गया है। अब वहाँ कई बड़े कस्बे, शहर, विद्यालय, दुकानें, अस्पताल, क्लब आदि हैं। वायु सेवा की सुविधाएँ भी अब यहाँ उपलब्ध हैं। अब अधिकांश एस्किमो लोग लकड़ी के बड़े-बड़े घरों में रहते हैं तथा शिकार छोड़कर व्यापार, दस्तकारी नौकरी आदि कार्य कर रहे हैं। होलस्टीनबोर्ग नामक बन्दरगाह में जहाज बनाने का कारखाना है। नुक ग्रीनलैण्ड की राजधानी है।
3. ग्रीनलैण्ड के लोग बर्फ से बने गुम्बद नुमा घरों में रहते हैं, जिन्हें इग्लू कहा जाता है। इग्लू में खिड़की दरवाजे नहीं होते हैं। एक बड़ा-सा छेद करके उसके आगे बर्फ की सिल्ली लगा दी जाती है। इससे ही अन्दर रेंग कर आया-जाया जा सकता है।
4. मछली पकड़ना तथा शिकार करना ग्रीनलैण्ड के लोगों का मुख्य व्यवसाय है।
5. एस्किमो लोग बड़ी कठिनाई भरा जीवन व्यतीत करते हैं। ये जन्तुओं की खालों से बने वस्त्र पहनते हैं। इनके वस्त्र इस प्रकार के होते हैं कि शरीर का प्रत्येक भाग ढका रहे और ठण्ड से बचा रहे।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

8 अध्याय

विषुवत् रेखीय प्रदेश : जायरे (जेरे)

क. **1.** (a) **2.** (a) **3.** (d) **4.** (a) **5.** (b)

ख. **1.** सदाबहार **2.** कसावा **3.** सीधी **4.** उष्ण **5.** मातादी

ग. **1.** (✓) **2.** (✓) **3.** (✓) **4.** (✗) **5.** (✓)

घ. **1.** (v) **2.** (iv) **3.** (ii) **4.** (i) **5.** (iii)

ङ. **1.** विषुवतीय प्रदेशों में लगभग पूरे वर्ष गर्मी पड़ती है, क्योंकि यहाँ सूर्य की किरणें लम्बवत् (सीधी) पड़ती हैं। यहाँ पर प्रातः काल का मौसम सुहावना होता है, किन्तु हवा में कुछ उमस-सी होती है। फिर दोपहर होते-होते गर्मी बहुत बढ़ जाती है। दोपहर बाद तीन-चार बजते ही पूरा आकाश घने काले बादलो से घिर जाता है और घनघोर (मूसलाधार) वर्षा होती है। शाम होते-होते आकाश साफ हो जाता है। प्रतिदिन अर्थात् 24 घण्टों में तीनों ही ऋतुएँ बनी रहती हैं। भारत के समान वहाँ पर ग्रीष्म, वर्षा तथा शीत ऋतुएँ नहीं होती हैं।

2. विषुवतीय के वनों में वर्ष भर हर समय फूल-फल देखने को मिलते हैं। इसलिए यहाँ के वन सदाबहार वन कहे जाते हैं।

3. विषुवतीय जलवायु का सबसे अधिक विस्तार कांगों बेसिन तथा अमेजन बेसिन में पाया जाता है।

4. विषुवतीय प्रदेशों में लगभग पूरे वर्ष गर्मी पड़ती है, क्योंकि यहाँ सूर्य की किरणें लम्बवत् (सीधी) पड़ती हैं। यहाँ पर प्रातः काल का मौसम सुहावना होता है, किन्तु हवा में कुछ उमस-सी होती है। फिर दोपहर होते-होते गर्मी बहुत बढ़ जाती है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

9 अध्याय

यातायात के आधुनिक साधन

क. **1.** (a) **2.** (d) **3.** (a) **4.** (b)

ख. **1.** नेटवर्क **2.** 1914 **3.** मेट्रो **4.** चैनल टनल **5.** 34

ग. **1.** (✓) **2.** (✓) **3.** (✗) **4.** (✗) **5.** (✓)

घ. **1.** (ii) **2.** (iv) **3.** (v) **4.** (i) **5.** (iii)

ङ. **1.** रेलमार्ग भारत में यातायात का सबसे प्रसिद्ध साधन है। ये भारी सामानों को लम्बी दूरी तक ले जाने में बहुत उपयोगी है।

2. स्वेज नहर मार्ग मध्यसागर तथा लाल सागर को जोड़ती है। इस नहर द्वारा इंग्लैंड-यात्रा में कम समय लगता है। पहले केप ऑफ गुड होप (अफ्रीका का दक्षिणी छोर) से होकर इंग्लैंड जाया जाता था। इस मार्ग से इंग्लैंड जाने में

लगभग 6 महीने लगते थे। किंतु स्वेज नहर मार्ग बन जाने से इंग्लैंड पहुँचने में मात्र दो सप्ताह लगते हैं।

3. देश में मुख्य शहरों को आपस में जोड़ने के लिए राजमार्गों तथा मुख्य मार्गों का अच्छा नेटवर्क है। प्रत्येक सड़क दो भागों में विभाजित होती है। एक भाग वाहनों को एक दिशा में चलने के लिए तथा दूसरा भाग वाहनों को विपरीत दिशा में चलने के लिए होता है। सड़कों के प्रत्येक भाग में विभिन्न गति से चलने वाले वाहनों के लिए अनेक कतारें बनी होती हैं। भारत में अनेक राजमार्गों तथा एक्सप्रेस मार्गों का निर्माण किया गया है जो देश के मुख्य शहरों को जोड़ते हैं। नई गोल्डन क्वेडरिलेटेरल (स्वर्ण चतुर्भुज) सड़क प्रणाली दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई तथा कोलकाता को जोड़ती है।
4. जहाजों का उपयोग भारी सामान को लाने-ले जाने में होता है। वे जहाज जो केवल तेल ढोते हैं तेल टैंकर कहलाते हैं। वास्तव में यातायात का कोई भी साधन जलमार्गों से सस्ता नहीं होता है क्योंकि इनका मार्ग बनाने की या मार्ग के रख-रखाव में कोई खर्चा करने की आवश्यकता नहीं होती है।
5. भारत में वन्दे भारत तथा राजधानी द्रुतगामी (सुपरफास्ट) रेलगाड़ियाँ हैं। इनकी गति 100 किमी/घण्टा है।

   ग्रांड ओरिएण्ट एक्सप्रेस फ्रांस के पेरिस शहर से टर्की के इस्तांबुल तक दौड़ती है। यह बहुत-से देशों से होकर गुजरती है।

   चैनल टनल फ्रांस को यूनाइटेड किंगडम से जोड़ती है। यह चैनल इंग्लिश चैनल के अन्तर्गत आता है। यू.एस.ए. तथा कनाडा में रेलगाड़ियाँ अटलाण्टिक तट के शहरों को प्रशान्त तट के शहरों से जोड़ती हैं। इन्हें ट्रांस कॉन्टिनेंटल रेलमार्ग कहते हैं। ट्रांस साइबेरियन रेलवे एशिया का सबसे महत्वपूर्ण रेलवे नेटवर्क है। यह विश्व का सबसे लम्बा रेलमार्ग है।

   जापानी रेलें मुख्यतः विद्युतीय हैं तथा अपनी गति के लिए प्रसिद्ध हैं। जापान की बुलेट ट्रेन बहुत महत्वपूर्ण है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

10 अध्याय

संदेशों का आदान-प्रदान

क. 1. (b) **2.** (d) **3.** (b) **4.** (b)

ख. 1. कबूतर **2.** डाक टिकट **3.** रेडियो **4.** टेलीविजन **5.** स्मार्टफोन

ग. 1. (✗) **2.** (✓) **3.** (✗) **4.** (✓) **5.** (✓)

घ. 1. (iii) **2.** (v) **3.** (i) **4.** (ii) **5.** (iv)

ङ. 1. संसार की कुछ सुविधाएँ जनसमूह के लिए होती हैं। जैसे– समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, पुस्तकें, रेडियो और टेलीविजन। इनसे प्राप्त संदेश किसी एक व्यक्ति के लिए न होकर जनसमूह के लिए होते हैं। इन्हें जनसंचार के साधन कहते हैं।

जन संचार के प्रमुख साधन निम्न हैं–

रेडियो–यह उपयोगी जानकारी उपलब्ध कराता है। यह मनोरंजन एवं शिक्षा का अच्छा स्त्रोत है। रेडियो का आविष्कार गुगलिमो मारकोनी नामक इटली के वैज्ञानिक द्वारा किया गया था।

टेलीविजन–यह देश-विदेश के समाचारों, विविध घटनाओं की जानकारी तथा मनोरंजन का लोकप्रिय साधन है। इसका आविष्कार जॉन लोगी बेयर्ड द्वारा किया गया था। विदेशों में हो रहे किसी कार्यक्रम जैसे– खेल इत्यादि को टेलीविजन पर उसी समय देख सकते हैं, जब वह वहाँ हो रहा होता है।

2. कृत्रिम उपग्रहों के द्वारा सभी कार्यक्रम हमारे टेलीविजन पर पहुँचते हैं। उपग्रह द्वारा ऐसे कार्यक्रम भी देखे जाते हैं, जिनमें एक या कुछ व्यक्ति अपने देश में बैठे हुए किसी दूसरे देश या देशों में बैठे व्यक्तियों से बातचीत करते हैं। लोग एक-दूसरे के प्रश्नों का जवाब उसी समय दे देते हैं, एक-दूसरे के लिए नृत्य तथा गाने के कार्यक्रम प्रस्तुत करते हैं। ऐसा लगता है कि थोड़ी देर के लिए उपग्रह इन दो दूर-दूर के स्थानों में पुल का काम कर रहा हो। इसीलिए उपग्रह को अन्तरिक्ष-सेतु भी कहते हैं। इस प्रकार हमारा संसार दिन-प्रतिदिन छोटा होता जा रहा है।

3. टेलीफोन का आविष्कार 1876 में अलैक्जेंडर ग्राहम वेल द्वारा किया गया था।

4. इसका आविष्कार जॉन लोगी बेयर्ड द्वारा 1924 में किया गया था। विदेशों में हो रहे किसी कार्यक्रम जैसे– खेल इत्यादि को टेलीविजन पर उसी समय देख सकते हैं, जब वह वहाँ हो रहा होता है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

11

अध्याय

विश्व में ज्ञान का विकास

क. 1. (b) **2.** (b) **3.** (a) **4.** (b)

ख. 1. भारत **2.** ब्रेल **3.** सुमेरियन **4.** अंगुलियों **5.** ऑफसेट

ग. 1. (✗) **2.** (✓) **3.** (✓) **4.** (✗) **5.** (✓)

घ. 1. चीन, जापान तथा कोरिया में आज भी चित्र संकेतों पर आधारित लिपियों का प्रयोग होता है।

2. शून्य का विकास भी यहीं हुआ। भारत से शून्य की संकल्पना व्यापारियों द्वारा अरब पहुँची। अरबवासी भारतीय अंकों को हिन्दसा कहते थे। आज भारतीय अंक प्रणाली का प्रयोग समस्त संसार में किया जाता है।

3. आदिमानव अपने आस-पास जिन वस्तुओं को देखता था। उनके चित्र बना देता था। वह अधिकांशतः जन्तुओं के ही चित्र बनाता था। एशिया तथा यूरोप की अनेक प्राचीन गुफाओं की दीवारों पर बने चित्र आज भी देखे जा सकते हैं। बाद में धीरे-धीरे उसने विविध प्रकार के प्रतीकों या चिह्नों का प्रयोग करना शुरू कर दिया। इसी तरह समय के साथ-साथ उसने इन प्रतीकों या चिह्नों का प्रयोग शब्दों तथा विभिन्न ध्वनियों के लिए करना प्रारम्भ कर दिया। इन्हीं चिह्नों ने धीरे-धीरे लिपि के विकास में योगदान दिया। लिपि वर्णमाला अथवा लेखन प्रणाली होती है।

4. फ्रांस के नेत्रहीन (अन्धे) व्यक्ति लुईस ब्रेल ने वर्ष 1820 में उभरे हुए अक्षरों की एक लिपि का आविष्कार किया। यह लिपि उसी के नाम पर ब्रेल लिपि कहलाती है।

5. भारतीय उप-महाद्वीप की सिन्धु घाटी की सभ्यता से सम्बन्धित मोहरों पर प्राचीनतम लिपि के स्पष्ट उदाहरण पाए जाते हैं। भाषाविद्ों के लिए ये लिपियाँ आज भी पहेली बनी हुई हैं। ब्राह्मी लिपि का विकास बहुत बाद में हुआ। वर्तमान में भारत में प्रयुक्त होने वाली अधिकांश लिपियों का विकास इसी लिपि से हुआ है। देवनागरी तथा अन्य भारतीय लिपियाँ ध्वनियों पर आधारित हैं।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

मशीनों का आविष्कार

क. 1. (b) **2.** (d) **3.** (d) **4.** (a)

ख. 1. 1814 **2.** औद्योगिक **3.** जेम्स वाट **4.** वृहत् **5.** पहिये

ग. 1. (✗) **2.** (✓) **3.** (✓) **4.** (✓) **5.** (✓)

घ. **1.** आदिमानव ने सर्वप्रथम अपने औजार ताँबे धातु के बनाए थे।

2. वायु, जल तथा सूर्य को ऊर्जा के गैर-परम्परागत स्त्रोत कहते है।

3. **वृहत उत्पादन–** अच्छी मशीनों के कारण एक बड़ा परिवर्तन हुआ जिसे वृहत् उत्पादन कहते हैं। वृहत् उत्पादन का नाम उत्पादन की उस विधि को दिया गया जिसमें सामान कम मूल्य में प्रति इकाई की दर से बड़ी मात्रा में बनाया जाता है। मशीन के औजारों के विकास से वृहत् उत्पादन सम्भव हुआ, ये औजार धातु के बने समान आकृति व आकार के हैं।

4. विद्युत की खोज एक मनोरंजक कहानी है। एक बार लेडन में एक व्यक्ति ने एक खिलौना लेडन जार बनाया। इसमें दो तार थे– एक काँच में था दूसरा इसके बाहर था। जब ये दोनों तार जोड़े जाते थे तो चिंगारियाँ निकलती थीं। जब एक अमेरिकी वैज्ञानिक बेंजामिन फ्रेंकलिन ने लेडन जार के विषय में सुना तो उसने इस खिलौने के विषय में सोचना शुरू कर दिया। उसने सोचा कि लेडन जार में वैसा ही आवेश था; जैसा आवेश आँधी-तूफान के समय बिजली चमकने में होता है। उसने धागे के एक सिरे पर धातु की एक चाबी बाँधी। जिस क्षण बिजली चमकी, उन्होंने डोर से बँधी हुई चाबी को हाथ लगाया। बिजली का झटका उन्होंने महसूस किया उन्होंने समझ लिया कि चाबी के झटके बादलों में गुजरने वाली बिजली के ही कारण है और लीडन की चाबी के झटके दोनों एक ही हैं। इस छोटे से प्रयोग से एक नई शक्ति का पता लगा।

5. उन्नीसवीं शताब्दी के प्रारम्भ में इंग्लैण्ड में औद्योगिक क्रान्ति शुरू हुई। भाप के इंजन ने बड़ी मशीनों को चलाना सम्भव बनाया। पशुओं तथा मानव का कार्य मशीनों ने करना प्रारम्भ कर दिया। अब वस्तुओं की माँग बढ़ गई है। इससे कारखाना पद्धति की शुरुआत हुई। लोग गाँवों से इन कारखानों में काम करने आते हैं तथा बड़े नगर उन्नति कर रहे हैं। हस्त-निर्मित वस्तुओं से मशीन निर्मित वस्तुओं में परिवर्तन औद्योगिक परिवर्तन कहलाता है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

13
अध्याय

वातावरण एवं प्रदूषण

क. 1. (c) **2.** (a) **3.** (d) **4.** (a) **5.** (a)

ख. 1. शोर **2.** अधिक **3.** दूषित **4.** तीन **5.** जल

ग. 1. (✗) **2.** (✓) **3.** (✓) **4.** (✓) **5.** (✓)

घ. 1. (ii) **2.** (iv) **3.** (i) **4.** (iii) **5.** (v)

ङ. 1. खेतों में उगी फसलों को कीड़े-मकोड़ों से बचाने के लिए उन पर विभिन्न प्रकार की कीटनाशक दवाओं; जैसे– डी.डी.टी., गैमेक्सीन आदि का छिड़काव किया जाता है। इन दवाओं से कीड़े-मकोड़े तो मर जाते हैं किन्तु पौधे इन दवाओं को अवशोषित नहीं कर पाते। इनमें से अधिकांश दवाएँ वर्षा के जल के साथ बहकर अन्ततः नदियों में मिल जाती हैं।

2. समुद्र का प्रदूषण जल-चक्र को भी प्रभावित करता है। आप जानते हैं कि सूर्य की गर्मी पाकर समुद्र का जल (नदियों आदि के जल के साथ) भाप बनकर उड़ जाता है। आकाश में जलवाष्प संघनित होकर बादल में परिवर्तित हो जाता है। बादलों से वर्षा होती है। वर्षा का जल नदी, नालों आदि में मिल जाता है। वहाँ से यह जल बहकर पुनः समुद्र में मिल जाता है। इसे जल-चक्र कहते हैं। जल-प्रदूषण के कारण जल के वाष्पीकरण में निरन्तर कमी हो रही है। इसलिए भूमि पर प्राकृतिक रूप से जल पूर्ति में भी कमी आ रही है।

3. वातावरण तथा मनुष्यों का पारस्परिक सम्बन्ध है। वातावरण में होने वाले परिवर्तनों का प्रभाव उसके ऊपर पड़ता है; जैसे– पसीना आना व ठण्ड लगना, सिर दर्द व जुकाम आदि रोगों का होना आदि। इसी प्रकार आपके द्वारा किए गए कार्यों का प्रभाव भी वातावरण के ऊपर पड़ता है। जब आप कुछ खाते हैं, कूड़ा फेंकते हैं, शोर मचाते हैं, वाहन चलाते हैं, पटाखे छुड़ाते हैं आदि, तब आप वातावरण को प्रभावित करते हैं।

4. कार्बन मोनोऑक्साइड स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक होती है। ये श्वसन सम्बन्धी रोग को पैदा करती है तथा त्वचा और आँखों पर प्रभाव डालती है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

1857 का विद्रोह

क. 1. (b) 2. (d) 3. (c)

ख. 1. नाना साहेब 2. वायसराय 3. 10 मई 1857
4. लार्ड कैनिंग 5. 1858

ग. 1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✓) 5. (✗)

घ. 1. जब भारतीय सैनिकों को एक नई एनफील्ड राइफल दी गई। इसके कारतूसों में गाय तथा सूअर की चर्बी का इस्तेमाल किया जाता था। इन्हें चलाने के लिए मुँह से खोलना पड़ता था। अतः हिन्दू तथा मुसलमान दोनों ही सैनिक अंग्रेजों के विरूद्ध हो गए थे। मेरठ की छावनी में भारतीय सैनिक बगावत पर उतर आए थे तथा उन्होंने ब्रिटिश सरकार की आज्ञा का पालन करने से साफ़ मना कर दिया था।

2. मध्यप्रदेश में विद्रोह का नेतृत्व रानी लक्ष्मीबाई तथा ताँत्या टोपे कर रहे थे।

3. 1857 का विद्रोह भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के इतिहास की एक महत्वपूर्ण घटना थी। इसे भारतीय स्वतन्त्रता का पहला युद्ध भी कहा जा सकता है। इस विद्रोह की पहली चिंगारी भारतीय सैनिकों के हृदय में फूटी थी। यह चिंगारी सबसे पहले मेरठ की छावनी में फूटी, जब भारतीय सैनिकों को एक नई एनफील्ड राइफल दी गई। इसके कारतूसों में गाय तथा सूअर की चर्बी का इस्तेमाल किया जाता था। इन्हें चलाने के लिए मुँह से खोलना पड़ता था। अतः हिन्दू तथा मुसलमान दोनों ही सैनिक अंग्रेजों के विरूद्ध हो गए थे। मेरठ की छावनी में भारतीय सैनिक बगावत पर उतर आए थे तथा उन्होंने ब्रिटिश सरकार की आज्ञा का पालन करने से साफ़ मना कर दिया था।

4. लखनऊ में विद्रोहियों ने रेजीडेन्सी को घेर लिया। यह घेरा कई महीनों तक रहा। विद्रोही सिपाहियों ने यहाँ का शासन बेगम हजरत महल को सौंप दिया। इलाहाबाद, बुन्देलखण्ड व अवध के इलाके में लोगों ने भारी संख्या में विद्रोह में भाग लिया। बरेली में अंग्रेज़ों के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व खान बहादुर खान ने किया।

5. कानपुर में क्रान्तिकारियों का नेतृत्व नाना साहेब कर रहे थे। अजीमुल्ला उनके सलाहकार थे। कानपुर के अन्दर अंग्रेजों ने जान बचाने के लिए खाइयों में

शरण ली। लगभग 400 अंग्रेज़ नावों द्वारा इलाहाबाद जा रहे थे, उन्हें भारतीय सिपाहियों ने गोलियों से भून डाला।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

15

अध्याय

स्वतन्त्रता के लिए संघर्ष

क. 1. (b) **2.** (b) **3.** (a) **4.** (d)

ख. 1. क्रान्तिकारी **2.** गदर **3.** देश **4.** 1885 **5.** फाँसी

ग. 1. (✓) **2.** (✓) **3.** (✓) **4.** (✗) **5.** (✓)

घ. 1. (iii) **2.** (v) **3.** (iv) **4.** (i) **5.** (ii)

ङ. 1. कुछ लोगों का विश्वास था कि हिंसा के विरूद्ध हिंसापूर्वक लड़ना चाहिए। वे अंग्रेज़ों से अनुरोध करके उनसे अपनी माँगे मनवाने में विश्वास नहीं करते थे। ये लोग देश में बहुत शीघ्रता से परिवर्तन या क्रान्ति लाना चाहते थे। ये लोग क्रान्तिकारी कहलाए। इस समय के क्रान्तिकारियों में खुदीराम बोस का नाम बहुत प्रसिद्ध है। केवल 18 वर्ष की आयु में अंग्रेज़ी सरकार ने खुदीराम को फाँसी की सजा दी।

2. कुछ ही वर्षों में इण्डियन नेशनल कांग्रेस एक शक्तिशाली संस्था बन गई। देश भर में स्वतन्त्रता की माँग उठने लगी। अंग्रेज शासक घबरा गए। उन्होंने आजादी के लिए किए जाने वाले आन्दोलनों को अनेक प्रकार से दबाने का प्रयत्न किया; परन्तु यह आन्दोलन दब नहीं सका। तब अंग्रेज़ों ने सोचा कि अगर भारतीय लोगों में आपस में फूट डाल दी जाए, तो उनका आन्दोलन कमजोर हो जाएगा और अंग्रेज़ों को अपनी सत्ता बनाए रखने में आसानी होगी। उन्होंने बंगाल प्रदेश को दो भागों में बाँटने की योजना बनाई। सन् 1905 ई. में उन्होंने इस प्रदेश का विभाजन इस प्रकार किया कि इसके एक भाग में मुसलमान और दूसरे भाग में हिन्दू अधिक हों।

3. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रथम अधिवेशन बॉम्बे (मुम्बई) में आयोजित हुआ। इसका आयोजन डब्ल्यू०सी० बनर्जी की अध्यक्षता में हुआ। इसमें देशभर के 72 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उस समय कांग्रेस का मुख्य उद्देश्य अंग्रेजों द्वारा लोगों का जीवन-स्तर सुधारना था।

4. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना सन् 1885 में एक उदार अंग्रेज अधिकारी सर ए०ओ०ह्यूम० ने की थी।

5. अंग्रेजों की बंगाल विभाजन की नीति के विरोध में भारतीय लोगों ने अंग्रेजी वस्तुओं का बहिष्कार करने का निश्चय किया। इसका तात्पर्य केवल भारत में बनी वस्तुओं का उपयोग करना था। विद्यार्थी तथा महिलाएँ भी इस आन्दोलन से जुड़ गए। इस आन्दोलन को स्वदेशी आन्दोलन का नाम दिया गया। उन्होंने जुलूसों का संगठन किया तथा लोगों को उन दुकानों तक जाने की अनुमति नहीं दी जिन पर अंग्रेजी वस्तुएँ बेची जाती थीं। बहुत से स्थानों पर लोगों ने इंग्लैड में बने वस्त्रों तथा अन्य सामानों की होली जलाई। अंग्रेजी वस्तुएँ बेचने वाली अनेक दुकानें लूटी गईं।

बहुत-सी महिलाओं ने अपने आभूषण बेचकर स्वदेशी सामान की दुकानें खुलवाईं। अँग्रेज़ी सरकार इस आन्दोलन का सामना नहीं कर सकी। अन्त में सन् 1911 ई० में उसे बंगाल के विभाजन का निर्णय वापस लेना पड़ा।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

अध्याय 16

स्वतन्त्रता की प्राप्ति

क. **1.** (d) **2.** (c) **3.** (c) **4.** (a) **5.** (a)

ख. **1.** असहयोग **2.** 1941 **3.** गाँधी जी
4. भारत छोड़ो **5.** जापान

ग. **1.** (✓) **2.** (✗) **3.** (✓) **4.** (✓) **5.** (✗)

घ. **1.** (iii) **2.** (i) **3.** (v) **4.** (iv) **5.** (ii)

ङ. **1.** अमृतसर में हुए अत्याचार का प्रतिकार करने और स्वाधीनता-प्राप्ति के लिए कांग्रेस ने अहिंसात्मक असहयोग आन्दोलन चलाने की घोषणा की। इस आन्दोलन को जनता का पूर्ण सहयोग मिला। विधानमण्डलों, न्यायालयों और शिक्षा-संस्थानों का बहिष्कार किया गया। लोगों ने सरकारी नौकरियाँ छोड़ दीं और विदेशी वस्तुओं की होली जलाई गई। 17 नवम्बर, 1921 ई. को जिस समय ब्रिटेन के राजकुमार प्रिंस ऑफ वेल्स भारत आए, तो सारे देश में हड़ताल और प्रदर्शन हुए।

इसी आन्दोलन के दौरान 5 मार्च, 1922 ई० को संयुक्त राज्य के देवरिया

जिले के चौरी-चौरा नामक गाँव के किसानों के जुलूस पर गोली चलाई गई। क्रुद्ध भीड़ ने थाने पर हमला कर दिया, जिनमें अनेक पुलिस कर्मचारी मारे गए। आन्दोलन को उग्र और हिंसात्मक होता देखकर गाँधीजी ने इसे स्थगित कर दिया।

2. 12 मार्च, सन् 1930 को गाँधी जी ने प्रसिद्ध डांडी यात्रा प्रारम्भ की जिसमें हजारों लोग सम्मिलित हुए। वे साबरमती आश्रम, अहमदाबाद से डांडी के समुद्रतटीय गाँव तक लगभग 300 किमी पैदल चले। गाँधी जी ने अपने समर्थकों के साथ नमक-कानून तोड़ा। इस नियम के अनुसार भारतीयों को समुद्र से नमक एकत्र करने की अनुमति नहीं थी। इसलिए गाँधी जी ने अंग्रेजों को दिखाया कि भारतीय लोग अब अधिक समय तक अंग्रेजी कानूनों को नहीं मानेंगे।
3. अप्रैल 1919 में अमृतसर के जलियाँवाला बाग में एक जनसभा आयोजित की गई। इस सभा में लगभग 20,000 पुरुष, महिलाएँ तथा बच्चे एकत्रित हुए। अंग्रेज अधिकारी जनरल डायर ने इस सभा को तोड़ने का निर्णय लिया। वह लोगों को एक सबक भी सिखाना चाहता था। वहाँ बाग में प्रवेश के लिए तथा बाहर निकलने के लिए एक सँकरा रास्ता था। इस सँकरे रास्ते का दरवाजा बन्द करने के बाद अंग्रेजी फौज ने निहत्थे लोगों पर गोलियाँ बरसानी शुरु कर दीं। लोगों के पास बाग से बाहर निकलने का कोई दूसरा रास्ता नहीं था। अतः हजारों पुरुष, महिलाएँ तथा बच्चे क्रूरतापूर्वक मार दिए गए। यह मासूम लोगों की हत्या की सोची-समझी योजना थी।
4. 9 अगस्त, 1942 ई. को गाँधी जी ने भारत छोड़ो आन्दोलन का श्रीगणेश किया और देशवासियों को एक नया नारा दिया 'करो या मरो', किन्तु 9 अगस्त की सुबह ही गाँधी जी तथा अन्य नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके विरोध में सारे देश में हड़ताल और प्रदर्शन हुए। सरकार ने इस आन्दोलन को कुचलने में पूरी शक्ति लगा दी और उसे इसमें सफलता भी मिली।
5. दिसम्बर, 1929 ई. में लाहौर में कांग्रेस का अधिवेशन हुआ। इसकी अध्यक्षता पं. जवाहरलाल नेहरू ने की। इस अधिवेशन में सविनय अवज्ञा आन्दोलन आरम्भ करने तथा पूर्ण स्वराज की माँग करने का निर्णय लिया गया।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

17

अध्याय

संयुक्त राष्ट्र का उदय

क. 1. (b) **2.** (b) **3.** (b) **4.** (a) **5.** (d)

ख. 1. नागासाकी, हिरोशिमा **2.** न्यूयॉर्क **3.** 1939

4. मानवाधिकार दिवस **5.** 1919

ग. 1. (✓) **2.** (✓) **3.** (✗) **4.** (✗) **5.** (✗)

घ. 1. (ii) **2.** (i) **3.** (iv) **4.** (v) **5.** (iii)

ङ. 1. संयुक्त राष्ट्र देशों का एक अन्तर्राष्ट्रीय संगठन है जिसकी स्थापना विश्वशान्ति तथा सहयोग को बढ़ावा देने के लिए की गई थी।

संयुक्त राष्ट्र का मुख्य उद्देश्य विश्वशान्ति को बनाए रखना है। यह व्यापार तथा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ाने में सहायता देता है। संयुक्त राष्ट्र देशों के लिए एक अदालत उपलब्ध कराता है जो देशों को अपने विचार रखने तथा अहिंसापूर्वक अपने मतभेद दूर करने में सहायता करता है। यह देशों की बड़ी समस्याएँ सुलझाने में सहायता करता है; जैसे– गरीबी, बेरोजगारी, बीमारियाँ तथा पर्यावरण अपघटन। यह अपने तथा बाहरी सैकड़ों अभिकरणों तथा कार्यकर्ताओं की समन्वय करने में सहायता करता है।

2. यू.एस.ए. ने मानव जाति के लिए अधिकारों (मानव अधिकारों) की घोषणा की। इसे मानवाधिकारों का घोषणा–पत्र कहते हैं। यह 10 दिसम्बर, 1948 को लागू किया गया। इसीलिए प्रतिवर्ष 10 दिसम्बर का दिन मानवाधिकार दिवस के रूप में मनाया जाता है।

कुछ महत्वपूर्ण अधिकार हैं–

- अपनी इच्छा से कहीं भी यात्रा करने का अधिकार।
- स्वतन्त्र नागरिक के रूप में रहने का अधिकार।
- पूजा करने की स्वतन्त्रता का अधिकार।
- युवक तथा युवती को अपनी इच्छा से विवाह करने तथा परिवार बसाने का अधिकार।
- कानून के सामने समानता।
- बोलने तथा लिखने की स्वतन्त्रता।
- धर्म तथा लिंग के आधार पर कोई भेदभाव नहीं।
- शिक्षा तथा रोजगार का अधिकार।
- समान कार्य के लिए समान वेतन।

3. दूसरा विश्व युद्ध पहले विश्व युद्ध की अपेक्षा भीषण तथा विनाशकारी था। इस युद्ध से विश्व के देशों की बड़ी क्षति हुई। लाखों लोग मारे गए और लाखों लोग अपंग हो गए। युद्ध के कारण अनेक नए रोग फैल गए। सारे संसार के लोग दुःखी हो गए। यूरोप और एशिया के जिन देशों में लड़ाई हुई थी, वहाँ के कल-कारखाने, यातायात के साधन, शिक्षण संस्थान आदि सभी नष्ट हो गए, जिससे इन देशों की आर्थिक स्थिति बिगड़ गई। चारों ओर गरीबी और बेरोजगारी दिखाई पड़ती थी। संसार के लोग समझ गए कि युद्ध से विनाश ही होता है।

   द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद कुछ नेताओं ने एक अधिक शक्तिशाली विश्व संगठन बनाने की आवश्यकता महसूस की, जो भविष्य में होने वाले विश्व युद्ध को रोक सके और किसी भी प्रकार के शोषण के विरूद्ध मानव जाति को सुरक्षा प्रदान कर सके।

4. प्रथम विश्व युद्ध में बड़े-बड़े देशों के साथ उनके अधीन देश भी धकेले गए। दुनिया भर में इतना बड़ा युद्ध पहले कभी नहीं हुआ था। इसलिए इसे प्रथम विश्व युद्ध कहते हैं। इस युद्ध से दुनिया के देशों को बहुत क्षति हुई। हजारों लोग मारे गए। बहुत-से कल-कारखाने नष्ट हो गए; जिससे लोगों की आर्थिक स्थिति बिगड़ गई।

5. संयुक्त राष्ट्र संघ (यू.एन.ओ.) के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं–
   - संसार के सभी देशों के बीच मैत्री सम्बन्धों को बढ़ाना और उनमें आपसी मेलजोल को बढ़ाना।
   - एक सभा-स्थल उपलब्ध कराना जहाँ सभी सदस्य मिलकर इन सामान्य लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कार्य कर सकें।
   - अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति व सुरक्षा बनाए रखना तथा सदस्य देशों के बीच विवादों को शान्तिपूर्वक तरीकों से सुलझाना।
   - विश्व के लोगों की दशा को अन्य देशों के सहयोग से शान्तिपूर्वक सुधारना।
   - मानव अधिकारों के सम्मान को बढ़ावा देना तथा प्रजाति, लिंग, भाषा तथा धर्म के आधार पर बिना भेदभाव के सभी लोगों की स्वतन्त्रता में सहायता करना।
   - गरीब देशों की उन्नति तथा विकास के लिए धनी देशों से सहायता दिलवाना।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

18 अध्याय संयुक्त राष्ट्र के कार्य

क. **1.** (a) **2.** (a) **3.** (c) **4.** (a) **5.** (a)

ख. **1.** महासभा **2.** 9 **3.** 15

4. निषेधाधिकार **5.** महासचिव

ग. **1.** (✓) **2.** (✓) **3.** (✗) **4.** (✓) **5.** (✓)

घ. **1.** (v) **2.** (iii) **3.** (iv) **4.** (ii) **5.** (i)

ङ. **1.** सुरक्षा परिषद् विश्व में शान्ति एवं सुरक्षा को बनाए रखने के लिए कार्य करती है।

2. संयुक्त राष्ट्र की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि इसने अब तक तीसरे विश्व युद्ध की संभावना को रोके रखा है। कोरिया, वियतनाम, फिलिस्तीन, इजराइल, ईरान, ईराक, कुवैत, अफगानिस्तान, भारत तथा पाकिस्तान आदि राष्ट्रों के युद्ध विश्व युद्ध का रूप लेने से पूर्व ही संयुक्त राष्ट्र के हस्तक्षेप से समाप्त कर दिए गए। किन्तु संयुक्त राष्ट्र अब तक परमाणु हथियारों को बनाने पर रोक लगाने या विश्व को पूर्णतः निशस्त्रीकरण करने में सफल नहीं हो सका है।

3. संयुक्त राष्ट्र के छह प्रमुख अंग हैं– 1. सुरक्षा परिषद्, 2. महासभा, 3. सचिवालय, 4. आर्थिक तथा सामाजिक परिषद्, 5. अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय, 6. न्याय परिषद्।

4. इसके स्थायी सदस्य हैं– संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंग्डम, रूस, फ्रांस तथा चीन।

5. महासचिव की नियुक्ति सुरक्षा–परिषद् की अनुशंसा पर साधारण सभा करती है।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

19 अध्याय संयुक्त राष्ट्र संघ और भारत

क. **1.** (d) **2.** (b)

ख. 1. विजयलक्ष्मी पण्डित **2.** गुटनिरपेक्षता **3.** यूनिसेफ

4. 114 **5.** प्रजाति पार्थक्य

ग. 1. (✓) **2.** (✗) **3.** (✗) **4.** (✓) **5.** (✓)

घ. 1. (iii) **2.** (v) **3.** (i) **4.** (ii) **5.** (iv)

ङ. 1. हमारा देश संयुक्त राष्ट्र की कई महत्वपूर्ण संस्थाओं का सक्रिय सदस्य रहा है। इन संस्थाओं में मुख्यतः यूनेस्को, डब्ल्यू० एच० ओ०, यूनिसेफ आदि शामिल हैं।

अभी भी भारत के अनेक विशेषज्ञ संयुक्त राष्ट्र की कई संस्थाओं को अपनी खास सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं। 1953 में श्रीमती विजयलक्ष्मी पण्डित ने संयुक्त राष्ट्र को विश्व से सम्बन्धित अनेक गम्भीर समस्याओं के निदान हेतु अपने महत्वपूर्ण सुझाव देने का कार्य भी किया है। वे संयुक्त राष्ट्र महासभा की प्रथम महिला अध्यक्ष चुनी गईं।

2. भारत के नेताओं ने दक्षिण अफ्रीका में काले लोगों के प्रति श्वेत लोगों की अत्याचार पूर्ण नीतियों का खुलकर विरोध किया। यह नीति प्रजाति पार्थक्य कहलाती है। अनेक भारतीय संयुक्त राष्ट्र की विविध सहयोगी संस्थाओं में कार्यरत हैं। इन संस्थाओं से भारत को भी विशेष मदद प्राप्त हुई है। उदाहरणार्थ–

- खाद्य तथा कृषि संगठन (FAO) ने राजस्थान में मरुस्थलीय क्षेत्रों को उपजाऊ कृषि भूमि में परिवर्तित करने में विशेष सहायता की।
- खाद्य तथा कृषि (FAO) की मदद से उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र के उपयुक्त विकास का महाकार्य सम्पन्न हो सका।
- इसी संगठन की मदद से भारत में आधुनिक पाकशालाओं (Bakeries) की स्थापना हो सकी।
- यूनिसेफ की सहायता से आंगनबाड़ी नामक कार्यक्रम को संचालित किया जा रहा है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन की सहायता से भारत विभिन्न बीमारियों एवं महामारियों से लड़ने के काबिल बन सका।

3. भारत ने संयुक्त राष्ट्र की गतिविधियों अथवा कार्यक्रमों में सदैव अपनी पूर्ण आस्था दर्शायी है। इसके अतिरिक्त भारत ने सदैव कमज़ोर राष्ट्रों के उत्थान के प्रति संयुक्त राष्ट्र के प्रयासों में अपना सहयोग देते हुए उसे सफलता पाने में समर्थ बनाया है।

4. किसी भी गुट में शामिल न होने को गुटनिरपेक्षता कहते हैं। दूसरे विश्व युद्ध के खत्म होने के बाद संसार के अधिकांश राष्ट्र विश्व की दो महाशक्तियों, अमेरिका व रूस के नेतृत्व में गुटबाजी में उलझ गए। दोनों ही देश नए राष्ट्रों को अपने-अपने गुटों में शामिल होने के लिए दबाव डालने लगे। इस गुटबाजी में नए राष्ट्रों का विकास नहीं हो पाया; क्योंकि स्वतन्त्र होने के बाद उन्हें अधिक सहायता और सहयोग की आवश्यकता थी; जबकि गुटबाजी में पड़कर वे निजी संसाधनों का भी प्रयोग न कर पाए। भारत ने इस दिशा में सार्थक पहल की।

   सन् 1947 में स्वतन्त्रता के बाद भारत के प्रथम प्रधानमन्त्री पं० जवाहर लाल नेहरू ने किसी भी गुट में शामिल न होने का निर्णय लिया। इण्डोनेशिया के सुकर्ण, मिस्र के कर्नल नासिर यूगोस्लाविया के मार्शल टीटो सरीखे नेता भी नेहरू जी के निर्णय से सहमत थे। इन सबके सहयोग से सन् 1961 में यूगोस्लाविया की राजधानी बेलग्रेड में एक सम्मेलन आयोजित किया गया। इसी सम्मेलन में गुटनिरपेक्षता आन्दोलन का उदय हुआ। प्रारम्भ में दस आन्दोलन में शामिल देशों की संख्या कम थी; लेकिन धीरे-धीरे इस विचारधारा से सहमत देशों की संख्या बढ़ती गई।

5. संयुक्त राष्ट्र की प्रथम महिला अध्यक्ष श्रीमती विजयलक्ष्मी पंडित थीं।

क्रियात्मक कार्य

स्वयं करें।

❐❐❐

Notes